R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 190 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 19 जून 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

पेरिस में भारतीय समुदाय ने किया पीएम मोदी का भव्य स्वागत

» भारत-फ्रांस संबंधों को मिलेगी नई मजबूती

पेरिस/फ्रांस (एजेंसी)। फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को पेरिस पहुंचे, जहां भारतीय समुदाय ने उनका भव्य और गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की और भारत तथा फ्रांस के बीच रिश्तों को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय दोनों देशों को एक-दूसरे के करीब लाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है और इस पर उन्हें गर्व है। पेरिस पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने स्वागत की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा कि भारतीय समुदाय द्वारा मिले स्नेह और सम्मान से वह अभिभूत हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-फ्रांस साझेदारी केवल दोनों देशों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक प्रगति और समृद्धि के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है।

जी-7 समिट में भारत की प्राथमिकताओं को रखा प्रमुखता से

प्रधानमंत्री मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में अपनी भागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उन्हें विभिन्न वैश्विक नेताओं के साथ विचार-विमर्श और महत्वपूर्ण बैठकों में शामिल होने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के दौरान भारत के विकास मॉडल, सुशासन, तकनीकी नवाचार और नीति-निर्माण से जुड़े अनुभवों को साझा किया गया। प्रधानमंत्री ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने में विकासशील देशों की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत लगातार ग्लोबल साउथ के देशों की आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। समावेशी विकास, निष्पक्ष व्यापार, खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा तथा प्रौद्योगिकी तक समान पहुंच जैसे विषयों पर भारत ने अपना स्पष्ट दृष्टिकोण रखा है। जी-7 में भारत की सक्रिय भागीदारी को वैश्विक स्तर पर उसकी बढ़ती भूमिका का संकेत माना जा रहा है।

वीवा टेक 2026 और प्रवासी भारतीयों से संवाद पर रहेगा फोकस

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि उनकी फ्रांस यात्रा के अंतिम चरण में पेरिस में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम निर्धारित हैं। इनमें विश्व के प्रमुख प्रौद्योगिकी और नवाचार मंचों में से एक 'वीवा टेक 2026' को संबोधित करना शामिल है। माना जा रहा है कि इस मंच पर प्रधानमंत्री भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप इकोसिस्टम और तकनीकी प्रगति को वैश्विक निवेशकों तथा उद्योग जगत के सामने प्रस्तुत करेंगे।इसके अलावा प्रधानमंत्री भारतीय समुदाय के साथ एक विशेष कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। इस दौरान वे प्रवासी भारतीयों से संवाद करेंगे और भारत की विकास यात्रा में उनकी भूमिका पर चर्चा करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस यात्रा से भारत और फ्रांस के बीच तकनीक, रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, नवाचार और सांस्कृतिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को नई गति मिलेगी। भारत हाल के वर्षों में वैश्विक मंचों पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रहा है और फ्रांस के साथ उसके संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देगी, बल्कि वैश्विक कूटनीति में भारत की भूमिका को भी और अधिक सशक्त बनाने में मददगार साबित हो सकती है।

'ममता जो चाहती हैं, वह भी नहीं हो रहा', TMC को लेकर हुमायूं कबीर का बड़ा हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बैंक खातों को फ्रीज करने की मांग को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) के प्रमुख हुमायूं कबीर ने कहा कि टीएमसी की वर्तमान स्थिति देखकर हैरानी होती है। उन्होंने कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि पार्टी को ऐसे हालात का सामना करना पड़ेगा। हुमायूं कबीर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ममता बनर्जी की स्थिति ऐसी हो गई है कि वह जो चाहती हैं, वह भी नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर उठे विवाद पर आगे क्या फैसला होता है, इस पर सभी की नजर बनी हुई है। वहीं, टीएमसी कोषाध्यक्ष अरूप बिस्वास द्वारा एचडीएफसी बैंक की एक शाखा को पार्टी के खातों को तत्काल फ्रीज करने के लिए पत्र लिखे जाने की खबर ने भी राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। इस मामले पर सीपीआई(एम) विधायक मो. मुस्तफिजुर रहमान ने कहा कि संबंधित पक्षों ने जो उचित समझा, वही किया होगा और इस पर उनकी

कोई विशेष प्रतिक्रिया नहीं है। दूसरी ओर भाजपा ने भी टीएमसी पर निशाना साधा है। भाजपा विधायक सजल घोष ने कहा कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था में केवल एक पीएसओ बदला गया है, ऐसे में इसे लेकर इतना विवाद क्यों किया जा रहा है। उन्होंने बैंक खातों के मुद्दे पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब खातों में बड़ी रकम हो तो विवाद होना स्वाभाविक है। भाजपा विधायक रुद्रनील घोष ने आरोप लगाया कि टीएमसी लगातार विवादों से बचने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी की कमजोरी अब खुलकर सामने आ रही है और जनता सब कुछ देख रही है। इन घटनाक्रमों के बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी को लेकर बहस और तेज हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

रणथंभौर एक्सप्रेस में धुआं, टला हादसा

कोटा। कोटा रेलखंड पर गुरुवार सुबह इंदौर-जोधपुर इंटरसिटी रणथंभौर एक्सप्रेस (12465) के एक जनरल कोच से अचानक धुआं निकलने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना सुबह करीब 9:20 बजे की है, जब ट्रेन लूनीरिछा स्टेशन के पास पहुंची। कोच के पहियों के पास से धुआं उठता देख रेलवे कर्मचारियों ने एहतियातन ट्रेन को तत्काल रोक दिया। धुआं निकलने की सूचना मिलते ही कई यात्री घबराकर कोच से नीचे उतर आए। मौके पर पहुंचे रेलवे कर्मचारियों ने जांच की तो पता चला कि कोच का ब्रेक जाम हो गया था, जिसके कारण लगातार घर्षण से धुआं निकल रहा था। तकनीकी टीम ने ब्रेक को रिलीज कर खराबी दूर की, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार समय रहते समस्या का पता चल जाने से बड़ा हादसा टल गया।

आवश्यक जांच के बाद ट्रेन को करीब 20 मिनट की देरी से रवाना किया गया। इस दौरान पीछे आ रही बांद्रा-बरौनी अवध एक्सप्रेस को भी कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। गौरतलब है कि पिछले एक महीने में इसी रेलखंड पर आग और धुआं निकलने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 17 मई को राजधानी एक्सप्रेस में आग लगने की घटना हुई थी। इसके अलावा हिंडौन स्टेशन और गंगापुर क्षेत्र में भी कोचों में आग लगने के मामले सामने आए हैं। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

NEET परीक्षा: अभिभावकों के लिए बनेंगे कूलिंग जोन

नई दिल्ली । 21 जून को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा को लेकर दिल्ली सरकार ने अभूतपूर्व पहल की है। इस बार केवल परीक्षार्थियों ही नहीं, बल्कि उनके साथ आने वाले अभिभावकों और परिजनों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि राजधानी के सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास विशेष कूलिंग जोन बनाए जाएंगे, जहां अभिभावकों के बैठने और आराम करने की व्यवस्था होगी। दिल्ली में नीट परीक्षा के लिए कुल 97 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 69 केंद्र दिल्ली सरकार के स्कूलों और 28 केंद्र केंद्रीय विद्यालयों में स्थापित किए गए हैं। परीक्षा के दौरान बाहर इंतजार कर रहे अभिभावकों को गर्मी से राहत देने के लिए इन कूलिंग जोन में स्वच्छ पेयजल, शिकंजी, ओआरएस, चाय, बैठने की सुविधा और प्राथमिक चिकित्सा जैसी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर वर्ष बड़ी संख्या में माता-पिता अपने बच्चों के साथ परीक्षा केंद्रों तक पहुंचते हैं और कई घंटे तक बाहर इंतजार करते हैं। भीषण गर्मी में उनकी परेशानी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल परीक्षा का सफल आयोजन नहीं, बल्कि इससे जुड़े हर व्यक्ति के अनुभव को बेहतर बनाना है। रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार पहले से ही गर्मी से राहत के लिए राजधानी में 85 शेड, 15 कूलिंग जोन और 13 मोबाइल हीट रिलीफ वैन संचालित कर रही है। उन्होंने सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महाराष्ट्र में बदली सियासत: उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका, 6 सांसदों ने शिंदे गुट का थामा दामन

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। शिवसेना (यूबीटी) के कई सांसदों की बगावत ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिल्ली में आयोजित शिवसेना (यूबीटी) संसदीय दल की बैठक में 9 में से केवल 3 सांसदों की मौजूदगी ने पार्टी में गहरे संकट के संकेत दे दिए हैं। वहीं 6 सांसदों के बैठक से दूरी बनाने के बाद उनके एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। बैठक में केवल अनिल देसाई, अरविंद सावंत और राजाभाऊ वाजे शामिल हुए, जबकि नागेश अष्टिकर, संजय देशमुख, संजय जाधव, संजय दीना पाटिल, ओमप्रकाश राजेनिम्बलकर और भाऊसाहेब वाकचौरे अनुपस्थित रहे। पार्टी ने सभी सांसदों को बैठक में शामिल होने के लिए व्हिप जारी किया था, लेकिन इसके बावजूद अधिकांश सांसदों का नहीं पहुंचना राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है।

दल-बदल कानून और बढ़ती राजनीतिक रणनीति

लोकसभा में शिवसेना (यूबीटी) के कुल 9 सांसद हैं। दल-बदल कानून के अनुसार यदि किसी दल के दो-तिहाई सांसद एक साथ अलग गुट बनाते हैं तो उन्हें अयोग्यता से राहत मिल सकती है। ऐसे में 9 में से 6 सांसदों का एक साथ बगावत करना कानूनी और राजनीतिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इधर राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि लोकसभा में संख्या बल बढ़ाने के लिए एनडीए की नजर अब अन्य विपक्षी दलों पर भी है। सूत्रों के अनुसार पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु की राजनीति पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। माना जा रहा है कि आगामी संसदीय रणनीति, परिसीमन, महिला आरक्षण और 'वन नेशन, वन इलेक्शन' जैसे मुद्दों को लेकर राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल सकते हैं। ऐसे में महाराष्ट्र की यह हलचल राष्ट्रीय राजनीति पर भी बड़ा असर डाल सकती है।

बागी सांसदों पर कार्रवाई की तैयारी, राउत ने लगाए गंभीर आरोप

बैठक में शामिल हुए सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि अनुपस्थित सांसदों को पार्टी की ओर से नोटिस जारी किया जाएगा। वहीं शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने दावा किया कि पार्टी के सांसदों को "किडनैप" किया गया है। उन्होंने कहा कि जो सांसद बैठक में शामिल हुए हैं, वही पार्टी के साथ हैं और जो नहीं आए, उन्होंने विश्वासघात किया है। सूत्रों के अनुसार, बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय की मांग की है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इन छह सांसदों की सुरक्षा बढ़ाते हुए उन्हें वाई प्लस (Y+) सुरक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

झारखंड राज्यसभा चुनाव में परिमल नाथवानी जीते

रांची। झारखंड राज्यसभा चुनाव में बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला है। राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुए चुनाव में एनडीए समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवार बैद्यनाथ राम ने जीत दर्ज की है। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को हार का सामना करना पड़ा।

परिमल नाथवानी को मिले 30 वोट

एनडीए समर्थित प्रत्याशी परिमल नाथवानी को 30 वोट प्राप्त हुए, जिससे उनकी जीत सुनिश्चित हो गई। वहीं झामुमो उम्मीदवार बैद्यनाथ राम भी राज्यसभा पहुंचने में सफल रहे। इस तरह राज्यसभा की दो सीटों में एक सीट झामुमो और दूसरी सीट एनडीए के खाते में गई। बता दें कि महागठबंधन की ओर से कांग्रेस ने प्रणव झा को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

हिमाचल में दर्दनाक हादसा: 500 मीटर गहरी खाई में गिरी बोलेरो, 7 लोगों की मौत

चंबा/हिमाचल प्रदेश। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। चंबा-मसरूंड मार्ग पर छतरूंड के पास एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों सहित वाहन चालक की जान चली गई। मृतकों में तीन सगे भाई भी शामिल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बोलेरो में सवार सभी लोग ग्राम महल पंचायत के सपरोठ गांव के निवासी थे। वे काकड़ोथा गांव में आयोजित एक मुंडन संस्कार में शामिल होकर देर रात अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रात करीब 2 बजे छतरूंड के पास वाहन चालक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

राहत-बचाव अभियान के बाद निकाले गए शव, जांच शुरू

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। एडिशनल एसपी चंबा दिनेश कुमार ने बताया कि खाई काफी गहरी होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद सभी शवों को बाहर निकाला गया। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज, चंबा भेज दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर वाहन के अनियंत्रित होने को हादसे की वजह माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। यह हादसा एक बार फिर हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाने वाला है। संकरी और घुमावदार सड़कों पर आए दिन होने वाली दुर्घटनाएं प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना प्रभावित मार्गों पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने और सड़क व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग की है।

ईरान-अमेरिका समझौते पर कांग्रेस का हमला... मोदी सरकार की विदेश नीति को बताया बड़ा झटका

नई दिल्ली । अमेरिका और ईरान के बीच हुए नए शांति समझौते पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार की विदेश नीति को निशाने पर लेते हुए इसे भारत के लिए चिंता का विषय बताया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि इस समझौते में पाकिस्तान की भूमिका उभरकर सामने आई है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति के लिए बड़ा झटका है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौते को 'इस्लामाबाद मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' नाम दिया गया है। उनके अनुसार, समझौते के नाम से ही यह संकेत मिलता है कि पाकिस्तान की क्षेत्रीय और वैश्विक भूमिका पहले की तुलना में मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि यह वही पाकिस्तान है जिसे 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी हद तक अलग-थलग कर दिया गया था। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान अब पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक और सुरक्षा संरचना में पहले से अधिक प्रभावी भूमिका निभा रहा है, जिसके भारत के लिए दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि यह समझौता पूरी तरह लागू होता है तो यह क्षेत्र में स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है, हालांकि इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर अभी

भी कई चुनौतियां बनी हुई हैं। जयराम रमेश ने इस समझौते को ईरान की एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि बताया। उनका कहना था कि ईरान ने कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और मजबूती का परिचय दिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह समझौता इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए एक बड़ा झटका है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी स्थिति कमजोर हुई है। कांग्रेस महासचिव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार इजराइल और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति अत्यधिक नरम रुख अपना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप के प्रति अपनाई जा रही तुष्टिकरण की नीति देशहित के अनुकूल नहीं है। कांग्रेस ने कहा कि पश्चिम एशिया में बदलते घटनाक्रमों के बीच भारत को संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाने की आवश्यकता है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

दलबदल कानून की विफलता और लोकतंत्र की चुनौती

भारतीय लोकतंत्र में दलबदल की समस्या नई नहीं है, लेकिन यह चिंता का विषय अवश्य है कि दलबदल रोकने के लिए बनाए गए कानून और संवैधानिक संशोधन भी अपने मूल उद्देश्य को पूरी तरह हासिल नहीं कर सके हैं। वर्ष 1985 में 52वें संविधान संशोधन और वर्ष 2003 में 91वें संविधान संशोधन के माध्यम से दलबदल विरोधी कानून को मजबूत बनाने का प्रयास किया गया था। इसके बावजूद आज भी सांसदों और विधायकों के दल बदलने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों और जनादेश की भावना पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दलबदल कानून का उद्देश्य राजनीतिक अस्थिरता को रोकना और निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत लाभ के लिए पार्टी बदलने से रोकना था। लेकिन समय के साथ राजनीतिक दलों और नेताओं ने कानून की कमियों का लाभ उठाने के रास्ते खोज लिए। पहले "स्प्लिट" यानी विभाजन के प्रावधान का दुरुपयोग हुआ, फिर उसे समाप्त कर "मर्जर" यानी विलय की व्यवस्था लाई गई। अब दो-तिहाई सदस्यों के समूह द्वारा किसी अन्य दल में शामिल होने को वैध माना जाता है। व्यवहार में यह प्रावधान भी कई बार जनादेश के विपरीत राजनीतिक समीकरण बनाने का माध्यम बन गया है। समस्या केवल कानून की नहीं, बल्कि राजनीतिक नैतिकता के क्षरण की भी है। लोकतंत्र में जनता किसी व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसकी पार्टी, विचारधारा और चुनावी वादों को ध्यान में रखकर वोट देती है। ऐसे में यदि कोई जनप्रतिनिधि चुनाव जीतने के बाद दल बदल लेता है, तो वह मतदाताओं के विश्वास को भी तोड़ता है। कानून चाहे जितना कठोर बना दिया जाए, जब तक राजनीतिक दल और नेता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सम्मान नहीं करेंगे, तब तक दलबदल की प्रवृत्ति समाप्त नहीं होगी। एक और विरोधाभास यह है कि दलबदल कानून जनप्रतिनिधियों को पार्टी छोड़ने से रोकता है, जबकि व्हिप व्यवस्था उन्हें स्वतंत्र रूप से मतदान करने की भी पूरी छूट नहीं देती। इससे सांसदों और विधायकों की वैचारिक स्वतंत्रता सीमित हो जाती है। लोकतंत्र में दलगत अनुशासन और व्यक्तिगत विवेक के बीच संतुलन आवश्यक है। अब समय आ गया है कि दलबदल कानून की व्यापक समीक्षा की जाए। यदि कोई जनप्रतिनिधि जिस पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर आया है, उसे छोड़ता है, तो उसकी सदस्यता स्वतः समाप्त मानी जानी चाहिए और उसे दोबारा जनता के बीच जाकर नया जनादेश लेना चाहिए। इससे लोकतंत्र की गरिमा भी बनी रहेगी और मतदाताओं के विश्वास का सम्मान भी होगा। दलबदल की समस्या का स्थायी समाधान केवल कानून नहीं, बल्कि राजनीतिक जवाबदेही और नैतिकता की पुनर्स्थापना में निहित है।

आकांक्षाओं का गणित

भारत में रोजगार का सवाल अब स्थिरता पर क्यों निर्भर है

डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन

जब 1954 में सर आर्थर लुईस ने गरीब अर्थव्यवस्थाओं के अमीर बनने की परिघटना को समझाने का काम शुरू किया, तो उन्होंने विकास की मुख्य प्रक्रिया को पूंजी के संचय के रूप में नहीं बल्कि कामगारों के जीवन-निर्वाह वाली खेती से हटकर अधिक कमाई वाले उद्योगों एवं सेवा क्षेत्रों की ओर मुड़ने के तौर पर पहचाना। उनका यह अनुमान बिल्कुल ही सही था कि यही बदलाव देर से औद्योगीकरण करने वाले हर देश का भविष्य तय करेगा। आज भारत ठीक इसी मोड़ पर खड़ा है और नीति-निर्माताओं के सामने सवाल पर्याप्त नौकरियां उपलब्ध कराने भर का नहीं है। बल्कि, उनके सामने इससे भी अधिक अहम सवाल यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ऐसी नौकरियां पैदा करने की स्थिति में है या नहीं जो पर्याप्त तादाद में हों, औपचारिक हों और एक युवा कामगार को जीवन भर बढ़ती उत्पादकता एवं सुरक्षा दे सकने लायक टिकाऊ हों। इस जिम्मेदारी के भार को काफी सटीकता से बताया जा सकता है। 'आर्थिक समीक्षा 2023-24' ने 'आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे)' और आबादी से जुड़े अनुमानों के आधार पर यह अनुमान लगाया है कि इस दशक की बाकी अवधि में भारतीय अर्थव्यवस्था को हर वर्ष लगभग 78.5 लाख गैर-कृषि नौकरियां सृजित करनी होंगी।

यह आंकड़ा दो बढ़ते दबावों का नतीजा है पहला, कामकाज के क्षेत्र में लोगों की भागीदारी बढ़ने के साथ श्रमशक्ति में हो रही लगातार बढ़ोतरी और दूसरा, संरचनात्मक बदलाव के कारण खेती से बाहर आने वाले कामगार। रोजगार में खेती की हिस्सेदारी अभी भी लगभग 46 प्रतिशत है। वर्ष 2047 तक इस हिस्सेदारी के घटकर एक-चौथाई तक आ जाने की संभावना है। जुलाई 2025 में केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर की गई और उसके अगले महीने से शुरू हुई 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' उस अंतर को पाटने की अब तक की सबसे सोची-समझी कोशिश है। इस योजना के तहत, जुलाई 2027 तक की दो वर्षों की अवधि में 3.5 करोड़ से अधिक औपचारिक नौकरियां सृजित करने हेतु 'कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ)' के जरिए 99,446 करोड़ रुपये लगाए जा रहे हैं। ईपीएफओ में पंजीकृत किसी कंपनी में पहली बार शामिल होने वाला और महीने में एक लाख रुपये से कम कमाने वाला कामगार, दो किस्तों में कुल 15,000 रुपये तक पाने का हकदार बन जाता है। दूसरी किस्त वित्तीय साक्षरता पाठ्यक्रम (फाइनेंशियल लिटरेसी कोर्स) करने पर और बचत (सेविंग्स) के तौर पर मिलती है। वहीं, निर्धारित आधार-रेखा (बेसलाइन) से अधिक लोगों को नौकरी पर रखने वाले नियोक्ताओं को हर नए कामगार के लिए महीने में 3,000 रुपये तक मिलते हैं। ये शर्तें कुछ इस तरह तय की गई हैं कि छोटी कंपनियां भी इसके दायरे से बाहर हो जाने के बजाय इसमें शामिल हो सकें। यह योजना भर्ती संबंधी सब्सिडी वाले आम व निराशाजनक तरीकों से इसलिए अलग और बेहतर है क्योंकि इसमें पहला लाभ मिलने से पहले छह महीने तक लगातार नौकरी करना आवश्यक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पहली बार काम करने वाले को नौकरी पर रखने का लाभ तभी मिलता है जब वह कर्मचारी काम में कुशल बन जाए और टिका रहे। यह शर्त शुरुआती भर्ती को एक पक्की प्रतिबद्धता में बदल देती है, जिससे नियोक्ता को प्रशिक्षण की लागत वसूलने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है और कर्मचारी को भी उतने महीने मिल जाते हैं जिनमें वह असली हुनर सीख सके और भरोसेमंद रिकॉर्ड बना सके। इस तरह, यह योजना केवल नौकरी देने के लिए नहीं बल्कि कर्मचारी को बनाए रखने की अपेक्षाकृत अधिक कठिन प्रक्रिया के लिए पुरस्कृत करती है और इसके बाद कर्मचारी के पास रोजगार क्षमता एक ऐसा ट्रैक रिकॉर्ड होता है जिसका वह कहीं भी सदुपयोग कर सकता है। इस योजना का सबसे अधिक झुकाव मैन्यूफैक्चरिंग की ओर है, जहां नियोक्ता को मिलने वाला प्रोत्साहन दो वर्ष के बजाय चार वर्ष तक मिलता है। समय-सीमा को दोगुनी करने का यह निर्णय औद्योगिक क्षमता तैयार होने में लगने वाले अधिक समय को ध्यान में रखकर लिया गया है। साथ ही, इससे निर्माता (मैन्यूफैक्चरर) समय से पहले स्वचालित व्यवस्था (ऑटोमेशन) लाकर कामगारों को हटाने के बजाय श्रमशक्ति बढ़ाने की ओर प्रेरित होते हैं। अहम बात यह है कि सरकार ने इसे देश को वैश्विक

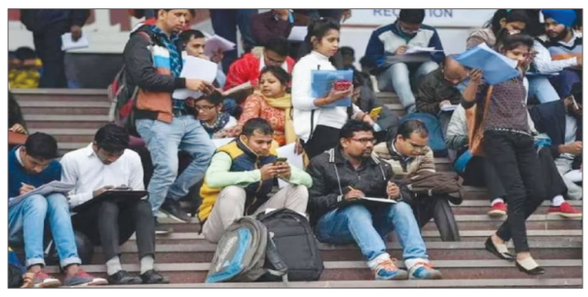

मैन्यूफैक्चरिंग केन्द्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने की दृष्टि से जरूरी माना है। ईपीएफओ के जरिए, हर नए कामगार को एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर मिलता है और उन्हें सामाजिक सुरक्षा का पहली बार अहसास होता है। अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले बहुत कम कामगारों को यह सुरक्षा मिल पाती है। इस योजना के शुरुआती नतीजे बेहद उत्साहजनक रहे हैं। इसके शुरू होने के बाद से लगभग 60 लाख नए कर्मचारी नामांकित हुए हैं। इनमें से अधिकतर 30 वर्ष से कम आयु के हैं और 18 लाख से अधिक महिलाएं हैं। वहीं, लगभग 1.77 लाख प्रतिष्ठानों ने 66 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। इन प्रतिष्ठानों में कई ऐसी छोटी कंपनियां शामिल हैं, जहां लंबे समय से अनौपचारिक काम का बोलबाला रहा है। हालांकि, एक अच्छी शुरुआत को पूरी तरह से सफल बदलाव मान लेना नासमझी होगी। इस योजना में धोखाधड़ी में शामिल कंपनियों को बाहर रखने, हर छह महीने में इलेक्ट्रॉनिक रिटर्न के जरिए यह सुनिश्चित करना कि नौकरी सिर्फ कागजों के बजाय असल में बनी हुई है और भुगतान की स्वचालित प्रणाली जैसी कई अच्छी बातें हैं। ये सभी खूबियां इस बात को दर्शाती हैं कि योजनाकारों को इस बात का अहसास है कि ऐसी योजना में उन भर्तियों को लाभ नहीं मिलना चाहिए जो अन्यथा भी हो जातीं। इसकी असली सफलता पहले वर्ष में नामांकित लोगों के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस बात से पता चलेगी कि वे नौकरियां उस प्रोत्साहन के समाप्त होने के बाद भी बनी रहती हैं या नहीं और इससे पैदा होने वाली मांग को पूरा करने के लिए काम के लायक युवा मौजूद हैं या नहीं। इसीलिए, इस योजना की सफलता कौशल को सिखाने में किए जा रहे निवेश से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है।

शहादत दिवस

डॉ.रमेश ठाकुर

लक्ष्मीबाई का अदम्य उद्घोष लोगों में जगाता है स्वाभिमान

आज झांसी की रानी 'लक्ष्मीबाई शहादत दिवस' है जो सालाना 18 जून को पूरे भारत में प्रेरणा के तौर पर मनाया जाता है। आज ही के दिन 1858 को मात्र 29 साल की आयु में, लक्ष्मीबाई ने मध्यप्रदेश प्रांत के ग्वालियर संभाग के समीप कोटा की सराय में अंग्रेजी हुकूमत के सैकड़ों सैनिकों के साथ करीब सप्ताह भर बहादुरी से लड़ते हुए अपने प्राण देकर वीरगति को प्राप्त हुईं थीं। उनकी वीर शहादत को भारत सदैव नमन करता रहेगा। रानी लक्ष्मीबाई 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सबसे अव्वल नायिकाओं में से एक थीं। आजादी के लिए जब भारत में बिगुल बजा, तो रानी लक्ष्मीबाई के लड़ते कौशल साहस को देखकर ही ब्रिटिश सरकार के सबसे खूंखार मेजर जनरल 'एच.रोज' ने उन्हें भारतीय ब्रिदोह समूह का सबसे खतरनाक लड़ाकू महिला बताया था। रानी लक्ष्मीबाई को जब सबसे पहले ग्वालियर के किले में 10 सैनिकों ने मिलकर घेरा तो उन्होंने दर्सों सैनिकों का सिर अपनी तलवार से कलम करके अंग्रेजों में कोहराम मचा दिया था। उस खूनी दृश्य को देखकर दरवाजे पर पहरा दे रहे 30-40 सैनिक अपने हथियार छोड़कर भाग खड़े हुए थे। ऐसी वीरांगनाएं धरती पर कभी-कभार ही पैदा होती हैं। लक्ष्मीबाई के अदम्य सैन्य साहस को देखकर ही संस्कृतिक सम्मान के तौर पर प्रसिद्ध कवियित्री सुभद्रा चैहान ने उन पर एक कविता रची थी जिसके शब्द आज भी हमें प्रेरणा देते हैं। 'खूब लड़ी मर्दानी, वो तो झांसी वाली रानी थी' उनकी वीरता को ये शब्द हमेशा उद्घोषित करते रहेंगे। भारत के गौरवशाली इतिहास में जब-जब किसी भी वीरांगनाओं का जिक्र होगा, महारानी लक्ष्मीबाई के पराक्रम और वीरता की काथाओं को हमेशा याद किया जाएगा। भारत को अंग्रेजों से मुक्त करवाने के लिए जब पुरुष क्रांतिकारियों की टोलियां शहर, गांव और कस्बों में निकल रही थी, तो उनमें एकमात्र रानी लक्ष्मीबाई ही युद्ध के मैदान में कूदने का साहस दिखा रही थीं, उन्हें देखकर फिर कई महिलाएं घरों से निकलकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़ीं। इसलिए रानी लक्ष्मीबाई के युद्ध कौशल के साथ-साथ उनके मातृत्व धर्म को भी इतिहास के सुनहरे पन्नों में दर्ज किया गया। उनसे प्रेरणा लेकर ही लड़कियां अब फौज से लेकर विभिन्न विधाओं की कठिन प्रतियोगिताओं में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाने लगी हैं। वीरांगना लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर, 1828 में वाराणसी के एक मराठी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। बचपन में परिजनों ने उनका नाम 'मणिकर्णिका' रखा था और प्यार से उन्हें 'मनू' कहकर पुकाकते थे। कम उम्र में मां का निधन हुआ, तो उन्होंने मात्र 9 वर्ष की आयु में ही युद्ध कला के गुर सीखना आरंभ कर दिया। तलवार चलाना, घुड़सवारी करना, अखाड़े में कूदकर लड़कों को लड़ने के लिए ललकारना उनकी दिनचर्याओं में शुमार हो गया। ये सब देखकर पिता थोड़े दुखी हुए, तो उन्हें लेकर 'पेशवा राज्य' में चले गए। जहां उनकी भेंट 'पेशवा बाजीराव द्वितीय' से हुई, उन्होंने उनको बेटी का दर्जा देकर विभिन्न तरह का प्रशिक्षिण देना शुरू कर दिया। मात्र 14 साल की उम्र में उनका विवाह झांसी के 'राजा गंगाधर नेवलकर' संग हुआ। शादी के 6वें दिन ही उन्होंने अपना नाम 'मर्णिकर्णिका' से बदल कर 'लक्ष्मीबाई' रख लिया। शादी के दूसरे साल में उन्होंने एक पुत्र को जन्म दिया, लेकिन उसकी असमय मृत्यु हो गई। उनका एक दत्तक पुत्र भी था। ईश्वर ने शायद 17 जून की तारीख को रानी लक्ष्मीबाई का अंतिम युद्ध मुकर्रर कर रखा था। युद्ध जब अंतिम पड़ाव पर था और वह चारों तरफ से घिर चुकी थीं, तब उन्होंने अपने दत्तक पुत्र 'दामोदर राव' को अपनी पीठ से बांधकर अपने घोड़े 'बादल' की लगाम अपने मुंह में दबाकर दुश्मनों से निर्भीकतापूर्वक लोहा लेते हुए किले की दीवार से लंबी छलांग लगाकर खुद को बचा लिया। उससे पहले पूरी रात अंग्रेजी सैनिकों से लड़ती रहीं। 18 जून की सुबह हुई, तो उनको करीब 80 सैनिकों ने घेरकर तलवारों के प्रहार से लहूलुहान कर दिया। हिम्मत फिर भी नहीं हारी। तब, लक्ष्मीबाई ने अपने एक सैनिक से कहा, मुझे काली माता के मंदिर तक किसी तरह पहुंचाया जाए। सैनिक आज्ञा का पालन करते हुए, जैसा कहा वैसा ही किया। मंदिर के पुजारी को रानी ने अपना बेटा सौंप दिया और कहा कि इनकी रक्षा करना, अगर मुझे अगले कुछ घंटों में कुछ हो जाए तो मेरे मृत्यु शरीर को अंग्रेजों के हाथ नहीं लगने देना। इतना कहते ही लक्ष्मीबाई ने अपने प्राण तुरंत त्याग दिए। उसके बाद रानी के निजी सैनिकों ने बिना देर किए उनके शरीर को अग्नि के हवाले कर दिया। उनकी सैन्य प्रेरक कथाएं आज भी निर्बल को संबल प्रदान करती है। नमन है ऐसी वीरांगनाओं को।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आवश्यकता से अधिक मंथन से निकलता है विष

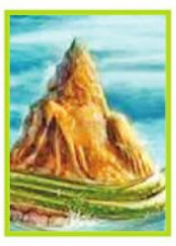

संकलित

दर्शन

व्यक्ति को कर्मशील रहना चाहिए, मगर सहज संतुलन भी आवश्यक है। आज की युवा पीढ़ी अधिक व्यस्त है। उसकी इतनी व्यस्तता चिंता का कारण है। व्यस्तता का बड़ा कारण तकनीक का अधिक प्रयोग भी है। युवा चिंतन में लगे रहते हैं। कम समय में अधिक से अधिक काम करना चाहते हैं। समुद्र मंथन का कार्य तो भलाई के लिए हो रहा था और रत्न निकल भी रहे थे, परंतु न तो देवताओं को संतोष था और ना ही असुरों को। अधिक से अधिक रत्न निकालने की चाह में मंथन होता गया और एक समय ऐसा आया, जब विष निकलने लगा, जिसे पीने को कोई तैयार नहीं था। सब त्राहि-त्राहि करते हुए भगवान शिव के पास पहुंचे। भगवान शिव ने विष को पिया और श्रीराम का नाम लिया। युवा नई तकनीक का प्रयोग करें, खोज करें, लेकिन आवश्यकता से अधिक चिंतन न करें। लगातार नई तकनीक में डूबे रहने की आदत का प्रभाव नकारात्मक होता है। आवश्यकता से अधिक मंथन से विष ही निकलता है। आज के समय में विष क्या है? काम, क्रोध, लोभ और मोह तो फिर भी कुछ न कुछ अंश में सांसारिक जीवन के भाग हैं। प्रत्येक व्यक्ति में इसका कुछ भाव होना स्वाभाविक है, लेकिन ईर्ष्या, द्वेष व निंदा का जीवन में कोई काम नहीं है। ये ही समुद्र मंथन से निकले हलाहल (विष) के समान हैं। अब धर्म क्षेत्र में भी ईर्ष्या, द्वेष व निंदा का असर है जो उचित नहीं है। अगर हमें शिव की भक्ति करनी है तो इस विष का पान भी करना होगा। भगवान शिव भक्ति भी देते हैं और मुक्ति (मोक्ष) भी।

जीवन में सब ईश्वर की दया ही है

संकलित

प्रेरणा

एक बार एक अमीर सेठ के यहां एक नौकर काम करता था, अमीर सेठ अपने नौकर से तो बहुत खुश था, लेकिन जब भी कोई कटु अनुभव होता तो वह भगवान को अनाप शनाप कहता और बहुत कोसता था। एक दिन वह अमीर सेठ ककड़ी खा रहा था, संयोग से वह ककड़ी कच्ची और कड़वी थी। सेठ ने वह ककड़ी अपने नौकर को दे दी। नौकर ने उसे बड़े चाव से खाया जैसे वह बहुत स्वादिष्ट हो। अमीर सेठ ने पूछा- ककड़ी तो बहुत कड़वी थी, भला तुम ऐसे कैसे खा गये? नौकर बोला- आप मेरे मालिक है, रोज ही स्वादिष्ट भोजन देते है, अगर एक दिन कुछ बेस्वाद या कड़वा भी दे दिया तो उसे स्वीकार करने में भला क्या हर्ज है? अमीर सेठ अपनी भूल समझ गया, अगर ईश्वर ने इतनी सुख-सम्पदाएं दी है, और कभी कोई कटु अनुदान या सामान्य मुसीबत दे भी दे तो उसकी सद्भावना पर संदेह करना ठीक नहीं। असल में यदि हम समझ सकें तो जीवन में जो कुछ भी होता है, सब ईश्वर की दया ही है। ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए ही करता है। हमें इसी में समाधान मानना चाहिए। जीवन में कटू और अच्छा दोनों अनुभव हमें होते हैं। इसे समानता से ही लेना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

लोकल ट्रेनों को प्राथमिकता देने की दरकार

एशिया संकट और बढ़ती ऊर्जा चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोल-डीजल के सीमित उपयोग तथा सार्वजनिक परिवहन को अपनाने की अपील स्वागतयोग्य है। भारतीय रेल भी इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। रेल नेटवर्क के तीव्र विद्युतीकरण से वित्त वर्ष 2024-25 में बड़ी मात्रा में डीजल की बचत हुई है, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिला है। विद्युत चालित रेलगाड़ियां डीजल इंजनों की तुलना में अधिक किफायती और प्रदूषण रहित हैं। निस्संदेह पिछले कुछ वर्षों में देश में रेलवे के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोकल व पैसेंजर ट्रेनों को प्राथमिकता देने की जरूरत है। तभी किफायत होगी।

- मुकेश बंसल, राजनांदगांव

ट्रेंड

बातचीत सार्थक

फेडरल चांसलर मर्ज के साथ बातचीत बहुत सार्थक रही। हमने व्यापार, निवेश, सर्कुलर इकोनॉमी, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में मिलकर काम करके आपसी सहयोग को और मजबूत करने की संभावनाओं पर चर्चा की।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

सिटी ऑफ़ जॉय

स्वच्छता किसी भी जीवंत और स्वागत करने वाले शहर की नींव होती है। 'इंटरनेशनल योग डे' का बेसब्री से इंतजार हो रहा है और इस बड़े इवेंट की मेजबानी कोलकाता कर रहा है, इसलिए 'सिटी ऑफ़ जॉय' में साफ़-सफाई का अभियान चलाया जा रहा है।

- **सुवेंदु अधिकारी,** सीएम, प. बंगाल

पेपर लीक नहीं रुकेंगे

मोदी सरकार का पेपर लीक रोकने का कोई इरादा नहीं है। इसीलिए ऐसे बेतुके कदम उठाए जा रहे हैं। आर्मी के जहाजों से पेपर ले जाना, टेलीग्राम बंद करना। इन कदमों से पेपर लीक नहीं रुकेंगे। पेपर इसका पैसा ऊपर तक जाता है।

-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

भविष्य वक्ता

उनकी अपनी पार्टी के भविष्य बताने वाले भविष्यवाणी कर रहे है कि बीजेपी उन्हें 75 सीटें दे रही है- या फिर सिर्फ 50 सीटें या बस कोरी बातें। जिन लोगों से उन्होंने बीजेपी के साथ गठबंधन करके 30 सीटें मिलने की अफवाहें फैलाकर एडवांस पैसे लिए थे, वे लोग अब उनके पीछे पड़े है।

- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

भारत ने यरूशलम में योग सत्र का किया आयोजन

भारत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम से करीब एक सप्ताह पहले इजराइली शहर यरुशलम के स्थानीय निकाय के साथ मिलकर यहां योग का विशेष सत्र आयोजित किया जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यरुशलम के पुराने इलाके में स्थित ममिला मॉल में मंगलवार को एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया और इसकी अगुवाई इजराइली योग प्रशिक्षक याएल यित्ज़ाक-इदान ने की और इस दौरान ओफ्रा अवनी ने बांसुरी वादन की प्रस्तुति देकर लोगों को मुग्ध कर दिया। इजराइल में, 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन 21 जून को तेल अवीव-याफो बंदरगाह पर भूमध्य सागर की पृष्ठभूमि में किया जाएगा। यरुशलम में मंगलवार को योग का विशेष सत्र यरुशलम नगर निगम, इजराइल में भारतीय दूतावास और इजराइल के योग शिक्षक संघ की साझेदारी में आयोजित किया गया। इस आयोजन में राजनयिकों, विशेष आमंत्रित मेहमानों, योग करने वालों और आम लोगों ने 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थीम के तहत एक साथ योग किया। इजराइल में भारत के राजदूत जे.पी. सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' समय के अनुकूल और प्रासंगिक है।

ऑफ बीट

समुद्र के 30 फीसदी हिस्से के संरक्षण की मुहिम तेज

पृथ्वी पर मौजूद सबसे समृद्ध जैव विविधता में से कुछ समुद्र में पाई जाती है। प्रवाल भित्तियों और मैंग्रोव के जंगलों से लेकर गहरे समुद्र तक, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र अनगिनत प्रजातियों को सहारा देते हैं, तटीय समुदायों का आधार हैं, जलवायु को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और वैश्विक खाद्य सुरक्षा की नींव को मजबूत करते हैं। लेकिन मछली पकड़ने, प्राकृतिक आवासों के नष्ट होने, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन का दबाव इन तंत्रों पर लगातार बढ़ रहा है। इसकी प्रतिक्रिया में दुनिया के देशों ने 2030 तक विश्व के कम-से-कम 30 प्रतिशत समुद्री क्षेत्र के संरक्षण का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य अपनाया है, जिसे '30x30' के नाम से जाना जाता है। इस लक्ष्य के तहत दुनिया भर में समुद्री संरक्षण का दायरा बढ़ा है, खासकर समुद्री संरक्षित क्षेत्रों (मरीन प्रोटेक्टेड एरिया) के रूप में। लेकिन सवाल यह है कि किसी क्षेत्र को संरक्षित घोषित करने के बाद क्या होता है? दशकों के अनुभव बताते हैं कि प्रभावी समुद्री संरक्षण के लिए स्पष्ट नियम-कानून, नियमित निगरानी, पर्याप्त वित्तीय संसाधन और स्थानीय सरकारों, उद्योगों तथा समुदायों के साथ सार्थक सहयोग जरूरी है। इनके अभाव में ये क्षेत्र केवल कागजों पर संरक्षित रह जाते हैं।

राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना को मिलेगी नई गति - मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना की तीसरी उच्चाधिकार समिति की बैठक गुरुवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में फ्रांसीसी विकास एजेंसी (एएफडी) के वित्तीय सहयोग से संचालित परियोजना के विभिन्न घटकों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना को मंजूरी प्रदान की गई। इस दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजना के तहत किए जा रहे कार्य केवल लक्ष्य पूर्ति तक सीमित न रहें, बल्कि उनका सकारात्मक प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। मुख्य सचिव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन, जल संरक्षण और स्थानीय समुदायों की आजीविका में सुधार जैसे उद्देश्यों को केंद्र में रखकर परियोजना का क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने कहा कि परियोजना के परिणाम आमजन तक पहुंचने चाहिए और लोगों को इसका प्रत्यक्ष लाभ महसूस होना चाहिए।

परिवर्तनकारी बनें परियोजना के कार्य, स्थानीय समुदाय की हो सक्रिय भागीदारी

बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के अंतर्गत ऐसे मॉडल विकसित किए जाएं जो भविष्य में प्रेरणास्रोत बन सकें। उन्होंने कहा कि हरित आवरण में वृद्धि, भूजल स्तर में सुधार, जैव विविधता संरक्षण तथा ग्रामीण समुदायों की आजीविका पर सकारात्मक प्रभाव के स्पष्ट उदाहरण सामने आने चाहिए। परियोजना की सफलता केवल आंकड़ों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका असर धरातल पर दिखाई दे। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को सौंपे गए दायित्वों का प्रभावी निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि स्थानीय समुदायों, हितग्राहकों और ग्राम स्तर के लोगों की सहभागिता बढ़ाई जाए। उनके सुझावों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाएं, ताकि परियोजनाएं अधिक प्रभावी और उपयोगी साबित हों। मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि परियोजना में किए जा रहे कार्यों के प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाना चाहिए। इसके लिए परिवर्तन के सूचकांक निर्धारित कर परियोजना की शुरुआत और वर्तमान स्थिति की तुलनात्मक समीक्षा की जाए, जिससे वास्तविक उपलब्धियों का आकलन किया जा सके।

हरित आवरण, जल संरक्षण और स्थानीय प्रजातियों पर विशेष जोर

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने पौधारोपण एवं चारागाह विकास कार्यक्रमों में स्थानीय जलवायु और क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुरूप प्रजातियों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने उच्च घनत्व वाले हरित क्षेत्र विकसित करने, बड़े आकार के पौधों के रोपण तथा आधुनिक एवं उन्नत नर्सरियों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण इस प्रकार किया जाए कि भूजल स्तर में वास्तविक वृद्धि हो तथा जल स्रोतों का पुनर्भरण मजबूत बने। मृदा एवं जल संरक्षण गतिविधियों के दीर्घकालिक प्रभावों का नियमित मूल्यांकन भी सुनिश्चित किया जाए।

समन्वय, गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन पर रहेगा फोकस

मुख्य सचिव ने परियोजना के सभी कार्यों को निर्धारित तकनीकी मानकों, गुणवत्ता मापदंडों और पारदर्शिता के साथ पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रभावी पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही एएफडी की द्वितीय ट्रांच से संबंधित ऋण अनुबंध प्रक्रिया को जुलाई तक पूर्ण करने को कहा। उन्होंने कहा कि परियोजना के उद्देश्यों की प्रभावी प्राप्ति के लिए वन, कृषि, वित्त, ग्रामीण विकास, पर्यटन और महिला एवं बाल विकास सहित सभी विभागों के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है। गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध और परिणामोन्मुखी कार्यों के माध्यम से यह परियोजना न केवल पर्यावरण संरक्षण को मजबूती देगी, बल्कि विकसित राजस्थान के लक्ष्य को साकार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ब्रीफ खबरें

योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं : उप मुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि संतुलित, सकारात्मक एवं अनुशासित जीवन जीने की प्रभावी साधना है। उन्होंने प्रदेशवासियों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। डॉ. बैरवा ने गुरुवार प्रातः जयपुर स्थित अपने राजकीय आवास के उद्यान परिसर में परिवार एवं सहायकों के साथ विभिन्न योगासनों, प्राणायाम तथा ध्यान क्रियाओं का अभ्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर को ऊर्जा, मन को स्थिरता तथा जीवन को संतुलन प्राप्त होता है। योग मानसिक शांति, एकाग्रता और आत्मविश्वास को भी सुदृढ़ बनाता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर योग के जनआंदोलन को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर इसे स्वस्थ जीवनशैली का स्थायी आधार बनाया जाना चाहिए।

खोरा लाड़खानी ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, नाले की सफाई नहीं होने से ग्रामीणों में रोष

-ग्रामीणों का आरोप जब से बना नाला तब से नहीं हुई सफाई

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। खोरा लाड़खानी ग्राम पंचायत एक बार फिर साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर विवादों में घिर गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत द्वारा साफ-सफाई के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति बदहाल बनी हुई है। इस दौरान बजरंग सिंह ने बताया कि हाल ही में ग्राम पंचायत खोरा लाड़खानी में लगे शिविर में उपखंड अधिकारी को भी इस समस्या को लेकर अवगत कराया गया था। ग्रामीणों के अनुसार मस्जिद के पीछे मंगरा की ढाणी क्षेत्र में करीब 700 मीटर लंबा और लगभग 4 फीट चौड़ा नाला बनाया गया था, जिससे पूरे गांव के पानी की निकासी होती है। लेकिन वर्षों से नाले की सफाई नहीं होने के कारण उसमें गंदगी और झाड़ियां

भर गई हैं, जिससे जल निकासी प्रभावित हो रही है।

ग्रामीण बजरंग सिंह ने बताया कि पिछले लगभग 15 वर्षों से इस नाले की समुचित सफाई नहीं करवाई गई है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में 7 जुलाई को भी ग्राम पंचायत को अवगत कराया गया था, लेकिन सरपंच ईश्वरचंद जाट द्वारा दिए गए आश्वासन के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत के रिकॉर्ड में साफ-सफाई के कार्य दर्शाए जा रहे हैं, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। बरसात के मौसम में नाले की सफाई नहीं होने से जलभराव और गंदगी की समस्या बढ़ने लगी है, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा नाले की तत्काल सफाई कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो पंचायत के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

राजस्थान संपर्क पोर्टल पर विशेष योग्यजनों की शिकायतों की समीक्षा, आयुक्त ने परिवादियों से सीधे की बात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। निदेशालय विशेष योग्यजन के आयुक्त एवं विशिष्ट शासन सचिव इकबाल खान ने गुरुवार को राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) के कॉल सेंटर का निरीक्षण कर विभाग से संबंधित शिकायतों और मांगों के निस्तारण की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कई परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और समाधान की स्थिति की जानकारी ली तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इकबाल खान ने कहा कि पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी जरूरतमंद इससे वंचित न रहे। साथ ही विभागीय अनियमितताओं

और भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने ऋण, अनुदान और सब्सिडी से जुड़े मामलों की प्रभावी निगरानी के लिए जनाधार संख्या और सदस्य आईडी आधारित ट्रैकिंग व्यवस्था को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। समीक्षा के दौरान बताया गया कि विभाग से संबंधित अब तक 5,078 परिवाद राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज हुए हैं, जिनमें से 4,923 शिकायतों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है। निरीक्षण के दौरान कई लाभार्थियों के मामलों की भी समीक्षा की गई। जोधपुर निवासी मोहम्मद इरफान को व्हीलचेयर उपलब्ध कराई जा चुकी है, जबकि उन्हें पूर्व में विभाग द्वारा स्कूटी भी प्रदान की गई थी। सवाई माधोपुर के छुट्टन लाल को ऋण-अनुदान स्वीकृति जारी की गई है तथा जोधपुर के अमराराम को जल्द ही मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं जयपुर के मांगीलाल को सिलिकोसिस सहायता योजना के तहत भुगतान स्वीकृत किया गया है। कोटा के विष्णु कुमार के लंबित आवेदन पर भी आयुक्त ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य केवल शिकायतों का निस्तारण नहीं, बल्कि विशेष योग्यजनों को वास्तविक राहत और योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराना है।

नगर निगम ने खो-नागोरियान से अतिक्रमण हटवाया

-2 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 5 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में खो-नागोरियान, टर्मीनल-1 एयरपोर्ट सांगानेर, टोंक रोड़ टिकटघर सांगानेर, गांधी नगर गेट नंबर-2 टोंक रोड़ एवं महिमा सर्किल पत्रकार से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 2 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 5 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में खो-नागोरियान, टर्मीनल-1 एयरपोर्ट सांगानेर, टोंक रोड़ टिकटघर सांगानेर, गांधी नगर गेट नंबर-2 टोंक रोड़ एवं महिमा सर्किल पत्रकार से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 5 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 2 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

भजनलाल सरकार ने मंडियों के विकास पर किये 18.86 करोड़ मंजूर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की विभिन्न कृषि उपज मण्डी समितियों के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए 18 करोड़ 86 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। इससे मण्डी यार्ड निर्माण, संपर्क सड़कों का निर्माण तथा क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के कार्य करवाए जाएंगे। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान की गई इस स्वीकृति से कृषि उपज मण्डी समिति सोजत सिटी (पाली), पलसाना एवं श्रीमाधोपुर (सीकर), अनाज मण्डी (बीकानेर), मेड़ता सिटी (नागौर) तथा दूदू (जयपुर) में विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। इन विकास कार्यों से मण्डियों में किसानों और व्यापारियों के लिए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा। इससे कृषि विपणन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। कृषि उपज मण्डी समितियों से जुड़ी संपर्क सड़कों के निर्माण एवं क्षतिग्रस्त सम्पर्क सड़कों की मरम्मत से ग्रामीण क्षेत्रों के किसान अपनी उपज सुगमता से मण्डी तक ला सकेंगे। इससे मण्डियों में फसलों की आवक बढ़ेगी, किसानों को अपनी उपज बेचने में आसानी होगी तथा मण्डी राजस्व में भी वृद्धि होगी।

मनोहरपुर पुलिस का बड़ा एक्शन: गैर कृषि उपयोग के लिए ले जाई जा रही 60 कट्टे यूरिया खाद से भरी पिकअप जब्त

-चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार, कृषि विभाग की जांच में यूरिया का गैर कृषि कार्य में उपयोग पाया गया

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर ग्रामीण पुलिस के निर्देश पर अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मनोहरपुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैर कृषि कार्य हेतु परिवहन की जा रही 60 कट्टे यूरिया खाद से भरी एक पिकअप वाहन को जब्त किया है। मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि दिनांक 17 जून की रात करीब 1:30 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि हरिकिशनपुरा की ओर जा रही पिकअप संख्या

RJ 32 GB 3554 में अवैध रूप से यूरिया खाद का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी सुरेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर वाहन को रुकवाया। पुलिस को देखकर चालक पिकअप सड़क किनारे छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया।

तलाशी के दौरान वाहन में 45-45 किलोग्राम वजन के 60 कट्टे यूरिया खाद बरामद हुए, जिन पर पंजाब की नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड का लेबल लगा हुआ था। पुलिस ने वाहन और खाद को जब्त कर कृषि विभाग को सूचना दी। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा जांच में पाया गया कि बरामद यूरिया खाद का उपयोग कृषि कार्य के बजाय अन्य कार्यों में किया जाना था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 की धारा 25(1), 28(1)(क) तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत मामला दर्ज कर लिया। कार्रवाई में थाना प्रभारी सुरेश सिंह, सवाई, सुनील सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

कुंवर दिगराज सिंह के प्रयासों से इंदिरा कॉलोनी की जाम नालियों की हुई सफाई

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे की इंदिरा कॉलोनी में लंबे समय से जाम पड़ी नालियों और नाले की समस्या का समाधान होने पर क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव दिगराज सिंह शाहपुरा के प्रयासों से नालियों की सफाई करवाई गई, जिससे जल निकासी व्यवस्था सुचारू हो गई। जानकारी के अनुसार कॉलोनीवासियों ने कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा को क्षेत्र की समस्या से अवगत करवाते हुए जाम नालियों और नाले की सफाई की मांग की थी। समस्या की जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्परता दिखाते हुए संबंधित ठेकेदार को मौके पर भेजकर सफाई कार्य शुरू करवाया। वही सफाई कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था बेहतर हुई और लोगों को काफी राहत मिली। इस दौरान दिगराज सिंह शाहपुरा की टीम भी मौके पर मौजूद रही तथा सफाई कार्य की निगरानी करती रही। कॉलोनीवासियों ने कहा कि लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। उन्होंने इस कार्य के लिए दिगराज सिंह शाहपुरा का आभार व्यक्त करते हुए उनकी जनसेवा और तत्परता की सराहना की।

राजस्थान में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर सख्ती

13 दिनों में 1.10 लाख से अधिक वाहनों पर कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पुलिस द्वारा प्रदेश में सुरक्षित और अनुशासित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 4 जून से 16 जून 2026 तक चलाए गए अभियान में 1 लाख 10 हजार 206 वाहनों के खिलाफ दंडात्मक और कानूनी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान ब्लैक फिल्म, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट, अवैध मॉडिफिकेशन, अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, हूटर, फ्लैशर और प्रेशर हॉर्न लगाने वाले वाहन चालकों पर विशेष नजर रखी गई। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में चल रहे इस अभियान की निगरानी महानिदेशक पुलिस यातायात अनिल पालीवाल और अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात डॉ. बी.एल. मीणा कर रहे हैं। प्रदेशभर में पुलिस और यातायात टीमें सुबह से देर रात तक सघन चेकिंग अभियान चला रही हैं। जयपुर पश्चिम और जयपुर ग्रामीण क्षेत्रों में की गई सख्त नाकेबंदी के कारण नियम तोड़ने वाले कई वाहन चालक पुलिस जांच से बचने के लिए वैकल्पिक

रास्तों का सहारा लेते नजर आए। अभियान के आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक कार्रवाई वाहनों पर लगी ब्लैक फिल्म के खिलाफ की गई। इस अवधि में 41,982 वाहनों पर ब्लैक फिल्म लगाने के मामले दर्ज किए गए। वहीं नियम विरुद्ध नंबर प्लेट और पंजीयन चिन्ह के 28,462, वाहनों पर अनाधिकृत शब्द एवं चिन्ह लिखने के 15,156, वाहन संरचना में अवैध परिवर्तन के 10,606, अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर और हूटर के 8,066 तथा प्रेशर हॉर्न और एयर हॉर्न के 5,934 मामलों में कार्रवाई की गई। केवल 16 जून को ही प्रदेशभर में 7,328 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इनमें ब्लैक फिल्म के 2,565, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट के 1,917, अवैध लेखन के 1,037 तथा वाहन संरचना में अवैध परिवर्तन के 736 मामले शामिल हैं। जिला स्तर पर 16 जून को सबसे अधिक 487 कार्रवाई जयपुर पश्चिम में दर्ज की गई। इसके बाद जयपुर ग्रामीण, जयपुर यातायात, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, बांसवाड़ा और भीलवाड़ा प्रमुख रहे। डीजी ट्रैफिक अनिल पालीवाल ने आमजन से यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था स्थापित करने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

युवा आपदा मित्र बनेंगे संकट के सच्चे साथी, 57 एनसीसी कैडेट सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आपदा के समय राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस द्वारा संचालित 'युवा आपदा मित्र योजना' के तहत 57 एनसीसी कैडेट्स को विशेष प्रशिक्षण देकर तैयार किया गया है। सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर गुरुवार को राजस्थान पुलिस मुख्यालय में आयोजित समारोह में कैडेट्स को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह प्रशिक्षण 12 से 18 जून तक जयपुर के जेएलएन मार्ग स्थित एनसीसी परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एसडीआरएफ) के विशेषज्ञों ने कैडेट्स को विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से निपटने के लिए व्यावहारिक और सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया।

आपदा प्रबंधन में निभाएंगे फर्स्ट रिस्पॉन्डर की भूमिका

समापन समारोह में मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) संजय अग्रवाल ने कहा कि युवा आपदा मित्र योजना जनसहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। प्रशिक्षित एनसीसी कैडेट्स आपदा के समय फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में एसडीआरएफ, पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्यों में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित युवा न केवल आपदा प्रभावित लोगों की सहायता करेंगे, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (आर्म्ड बटालियन एवं एसडीआरएफ) रूपिंदर सिंह ने बताया कि योजना के तहत प्रदेशभर में चरणबद्ध

तरीके से युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार हो सके।

भूकंप, बाढ़, आग और प्राथमिक उपचार का मिला प्रशिक्षण

सात दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान कैडेट्स को भूकंप, बाढ़, आग, आंधी-तूफान और भवन ढहने जैसी परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी दी गई। उन्हें घायलों को सुरक्षित निकालने, प्राथमिक उपचार देने, सीपीआर जैसी जीवन रक्षक तकनीकों का अभ्यास कराया गया। इसके अलावा जलभराव और बाढ़ के दौरान बचाव, अग्निशामक यंत्रों का उपयोग, रस्सी आधारित रेस्क्यू तकनीक, भीड़ प्रबंधन, संचार एवं समन्वय और मॉक ड्रिल के माध्यम से वास्तविक परिस्थितियों का अनुभव भी कराया गया। समारोह में एनसीसी और एसडीआरएफ के अधिकारियों ने कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया। प्रशिक्षित युवाओं ने भी समाज सेवा और आपदा के समय लोगों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

ब्रीफ खबरें

अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जरगौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महासचिव बने दीपक शर्मा

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जरगौड़ ब्राह्मण महासभा पुष्कर के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, प्रधानमंत्री प्रद्युम्न जोशी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोरधन जोशी ने शहर के समाजसेवी हर किसी के सुख दुःख में सदैव साथ देने वाले दीपक शर्मा को उनकी समाज के प्रति निष्ठा भाव, कार्य, संगठन में सभी को साथ लेकर चलने की भावना को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2025 से 2029 तक राष्ट्रीय महासचिव के पद पर नियुक्त किया है। अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी ने दीपक शर्मा को प्रशासनिक सहयोग, महासभा

कार्यालय एवं कार्यकारिणी के साथ समन्वय स्थापित संगठनात्मक कार्यों को गति प्रदान करने का कार्य दिया है। राष्ट्रीय महासचिव दीपक शर्मा ने नियुक्त पर शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया।

चिकित्सकों का सम्मान समारोह का किया पोस्टर विमोचन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। जालसू में स्थित बाबा रामदेव मंदिर परिसर में बलाई विकास समिति, जयपुर मुख्यालय-चौमूं की ओर से 1 जुलाई को डॉक्टर्स-डे पर ऑडिटोरियम, महात्मा ज्योतिबा फुले पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय हाड़ोता में आयोजित होने वाले चिकित्सकों का सम्मान समारोह का पोस्टर विमोचन सीआरपीएफ के सेवानिवृत अधीक्षक कजोड़ मल बुनकर ने किया। समारोह में अधिक अधिक संख्या में आने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान समिति के अध्यक्ष एड़वोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, कोषाध्यक्ष नानगराम लूनीवाल, उपाध्यक्ष कालूराम सामरिया, लालाराम महरडा, तेजपाल लूनीवाल, जितेन्द्र सामरिया सहित कई मौजूद थे।

प्रभारी सचिव कृष्ण कुणाल ने किया नेट जीरो कूलिंग स्टेशन का अवलोकन, ली जानकारी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रभारी सचिव कृष्ण कुणाल ने गुरुवार को चूरू जिला मुख्यालय पर पुराने कलेक्ट्रेट परिसर के पास स्थित नेट जीरो कूलिंग स्टेशन का अवलोकन किया तथा कूलिंग स्टेशन की कार्य प्रणाली, आने वाले लोगों की संख्या, उपलब्ध सेवाओं आदि की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नजदीकी बस स्टॉप के आसपास खड़े रहने वाले यात्रियों, आमजन आदि को नेट जीरो कूलिंग स्टेशन का भरपूर लाभ मिले। स्थानीय नागरिकों को सुविधा के बारे में समुचित जानकारी दी जाए तथा संचालक उपलब्ध सुविधाओं को माकूल रखें। जिला कलक्टर

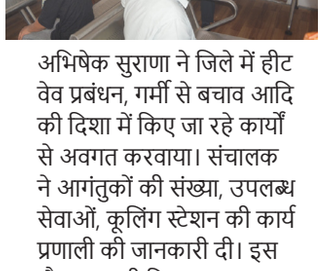

अभिषेक सुराणा ने जिले में हीट वेव प्रबंधन, गर्मी से बचाव आदि की दिशा में किए जा रहे कार्यों से अवगत करवाया। संचालक ने आगंतुकों की संख्या, उपलब्ध सेवाओं, कूलिंग स्टेशन की कार्य प्रणाली की जानकारी दी। इस दौरान एसपी निश्चय प्रसाद एम, एसडीएम धीरज झाझड़िया, पीआरओ सूर्यकान्त कुमावत सहित अन्य मौजूद रहे।

महात्मा गाँधी जीवन दर्शन संस्थान द्वारा गाँधी मित्रो ने किया श्रमदान

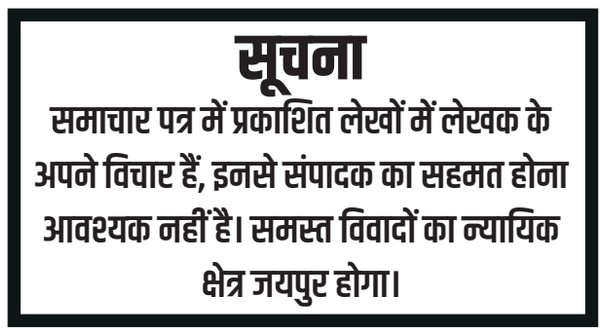

सवाईमाधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित महावीर पार्क मे जिला संयोजक विनोद जैन के नेतृत्व में गाँधी मित्रो ने श्रमदान किया इस दौरान महात्मा गाँधी दर्शन संस्थान के प्रदेश कार्य समिति से श्याम सुंदर जोशी ने श्रमदान का महत्व बताया, इस तरह का श्रमदान ब्लॉक स्तर व ग्राम पंचायत स्तर पर होना चाहिए, श्रमदान के दौरान जिला संयोजक विनोद जैन ने बताया कि जिले कि सभी ग्राम पंचायतो में गाँधी मित्रो के चयन के बाद जिले भर में इस तरह के कार्यक्रमों का संचालन निरंतर होगा, विनोद जैन ने अपने उद्बोधन मे कहा कि पुरे राजस्थान में गाँधी पाठशाला का संचालन केवल सवाईमाधोपुर में हीं हो रहा है जो अपने आप में अनूठी पहल है इसका दूर गमी परिणाम देखने को मिलेंगे क जिला सह संयोजक संतोष स्वामी ने बताया कि इस दौरान धमेन्द्र जय प्रकास, युवा सह संयोजक गुरुवचन वाल्मीकि, कुद्दूस खान, हरीश महेश्वरी, विक्की सिसोदिया, के एम कांवरिया, रामजीलाल गुर्जर, संजय गौतम, लक्ष्मी कांत मीणा, राजाराम मीणा, तोताराम खंगार, तूफान सिंह पवार सहित गाँधी मित्रो ने किया श्रमदान।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

31वें समर वेकेशन तेबा क्लासेस में विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र व पुरस्कार देकर किया सम्मानित

-समाज की उन्नति के लिए अच्छे अखलाक वक्त की जरूरत: अमीन कागजी

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। पिछले 31 वर्षों से तंजीम उलेमा-ए-इमाम की ओर से मौलाना फज़्ले हक की सरपरस्ती में समर वेकेशन में विद्यार्थियों को समाज में फैली हुई बुराइयों से रोकने के लिए सामाजिक संस्कार की शिक्षा दी जाती है, जिसमें वुज़ू, पाकी, गुस्ल का तरीके के साथ-साथ पड़ोसियों का आदर करके अच्छे बर्ताव की शिक्षा ग्रहण कराई जाती है। कार्यक्रम के संयोजक फिरोज खान ने बताया है कि शहर के विभिन्न महल्लों में तेबा क्लासेस 17 मई से 17 जून तक लगाई गईं। मुख्य केंद्र दारुल उलूम अताए रसूल,रज़ा नगर में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। टॉपर विद्यार्थियों में आकिब पठान, अदनान अशरफ, मोहम्मद जैद को सम्मानित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अमीन कागजी, विधायक किशनपोल जयपुर पूर्व, चेयरमैन

स्टेट हज कमेटी और विशिष्ट अतिथि अख्तर खान अकेला, नियाज अहमद निक्कू, हशरुद्दीन पठान रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान मदरसा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष मौलाना फज़्ले हक ने की। अतिथियों द्वारा अख्तर खान अकेला एडवोकेट के हज से लौटने पर माला पहनाकर उनका सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि अमीन कागज़ी ने कहा है कि हमें समाज में आधुनिक शिक्षा के साथ सामाजिक सुधार के लिए अच्छे संस्कार की अहम जरूरत है। मौलाना फज़्ले हक ने इस मिशन को पूरे राजस्थान और कोटा में 31 वर्षों से चला रहे हैं। विशेष तौर पर मदरसों में इंग्लिश मीडियम स्कूल खुलवा रहे हैं, ताकि हमारा समाज दीनी तालीम के साथ आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर देश की तरक्की में महत्वपूर्ण योगदान दे सके। मौलाना फज़्ले हक ने कहा है कि नई नस्लों को बुराइयों की गंदी हवाओं से बचाकर हमें खूबसूरत गुलशन अपने वतन को बनाना है। देश की मोहब्बत की खुशबू से हमारा पूरा वतन महक जाए और हम ऐसी शिक्षा ग्रहण करें जो सांप्रदायिक सौहार्द को भी मजबूत करे। कार्यक्रम के फ़ैज़ानुल हक़, फ़िरोज़ ख़ान और यूनुस क़ादरी ने अतिथियों का स्वागत किया।

एडीआर सेंटर में हिट एण्ड रन के संबंध में मीटिंग का हुआ आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार गुरुवार को एडीआर सेंटर सवाई माधोपुर में समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की अध्यक्षता में मोटर यान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना 2022 की अनुपालना सुनिश्चित करवाने के संबंध में गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सचिव समीक्षा गौतम द्वारा दावा जांच अधिकारी (अतिरिक्त जिला कलेक्टर) सवाई माधोपुर संजय शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह मीणा के साथ जिले में गत वर्ष में पुलिस थानों में हिट एण्ड रन के दर्ज मामलों एवं पुलिस थाने से दावा जांच अधिकारी को प्रेषित प्रार्थना पत्रों पर मुआवजा प्रदान करने के संबंध में की गई कार्यवाही के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। सचिव समीक्षा गौतम द्वारा मीटिंग में उपस्थित सुनील कुमार गुप्ता पुलिस निरीक्षक यातायात प्रभारी (नोडल ऑफिसर) सवाई

माधोपुर एवं मुकेश कुमार एएसआई पुलिस थाना कोतवाली, लखमीचंद एएसआई पुलिस थाना बौंली एवं सुमेर सिंह एसआई पुलिस थाना मलारना डूंगर को शेष रहे हिट एण्ड रन के समस्त प्रकरणों में आवेदन भरवाकर दावा जांच अधिकारी (अतिरिक्त जिला कलेक्टर) सवाई माधोपुर को शीघ्र प्रेषित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही दावा जांच अधिकारी (अतिरिक्त जिला कलेक्टर) संजय शर्मा को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

12 वर्षीय बालक की कुंड में गिरने से मौत: खेलते समय वन विभाग की जमीन पर बने कुंड में डूबा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर उस्मानाबाद कॉलोनी के पास वन विभाग की जमीन पर बने एक कुंड में गिरने से 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई। बुधवार शाम हुई इस घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी और कोतवाली पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बालक को कुंड से बाहर निकाला और डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया। हालाकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में भी बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए थे। उस्मानाबाद कॉलोनी निवासी मोहसिन ने बताया कि

उसका छोटा भाई शाहिद बुधवार शाम करीब चार बजे उस्मानाबाद के पास बीहड़ में गया था। वह वहां बने कुंड के पास खेल रहा था। कुंड पर न तो कोई ढक्कन लगा था और न ही उसके चारों ओर कोई जाल था। खेलते समय शाहिद उसमें गिर गया, जिससे डूबने से उसकी मौत हो गई। मृतक शाहिद के पिता फारूक चायल मजदूरी करते हैं और शाहिद तीसरी कक्षा का छात्र था। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम धीरज झाझड़िया और कोतवाली थाना के एसआई किशनाराम बिश्नोई पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का डीबी अस्पताल की मॉर्च्युरी में पोस्टमार्टम किया एवं शव परिजनों को सौंपा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयुर्वेद विभाग द्वारा पीले चावल देकर आमजन को दिया निमंत्रण

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आगमी 21 जून 2026 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा एक भव्य योग शिविर और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा हैं। इस वर्ष योग दिवस की, थीम "yoga for Healthy Ageing" के अनुरूप कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए मानसिक शांति और शारीरीक रूप रहने के लिए प्रेरित करना हैं। कार्यक्रम का आयोजन "लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ खेल स्टेडियम" में सुबह 6:00 बजे से शुरू होगा।

आम जनता को आमंत्रण

आयुर्वेद विभाग के तरफ से डॉ. पूजा रोहेला, डॉ. कपिल वर्मा, डॉ. संजय तंवर, अशोक कुमार, श्रीमती पूनम कुमारी एवं चन्द्रप्रकाश शर्मा ने सभी गणमान्य नागरिकों, युवाओं, महिलाओं और बच्चों से इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की एवं पारम्परीक तरिके से पीले चावल देकर सभी को योग दिवस के कार्यक्रम में आने के लिए निमंत्रण दिया। डॉ. पूजा रोहेला ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम, नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। आइए, इस योग दिवस पर हम सब मिलकर स्वस्थ भारत का निर्माण का संकल्प लें।

पोश अधिनियम, डॉन यूनिट एवं आशा यूनिट के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के मार्गदर्शन में एडीआर सेंटर, सवाई माधोपुर में कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013, डॉन यूनिट एवं आशा यूनिट के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समीक्षा गौतम, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव समीक्षा गौतम ने कहा कि महिलाओं को कार्यस्थल पर सुरक्षित, सम्मानजनक एवं समान अवसरों वाला वातावरण प्रदान करना प्रत्येक संस्था, कार्यालय एवं नियोक्ता का नैतिक एवं कानूनी दायित्व है। उन्होंने बताया कि कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार का लैंगिक उत्पीड़न महिलाओं की गरिमा, आत्मविश्वास एवं कार्यक्षमता को प्रभावित करता है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए पोश अधिनियम 2013 प्रभावी कानूनी संरक्षण प्रदान करता है। उन्होंने विस्तार से

जानकारी देते हुए बताया कि पोश अधिनियम के तहत प्रत्येक कार्यालय, संस्था एवं प्रतिष्ठान में महिलाओं के लिए सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक प्रावधान किए गए हैं। अधिनियम के अनुसार 10 या अधिक कर्मचारियों वाले संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है, जो लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करती है। उन्होंने प्रतिभागियों को शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया, शिकायतों के निस्तारण की समय-सीमा तथा पीड़ित महिलाओं को उपलब्ध कानूनी अधिकारों एवं संरक्षण संबंधी प्रावधानों की जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान पैनल अधिवक्ता अभय कुमार गुप्ता द्वारा नालसा ड्रग अवेयरनेस एंड वैलनेस नेविगेशन फॉर ए ड्रग फ्री इंडिया स्कीम 2025, डॉन यूनिट की कार्यप्रणाली एवं एनडीपीएस एक्ट 1985 के प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल अक्षय राजावत द्वारा आशा यूनिट की कार्य प्रणाली, बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006, बाल विवाह की शिकायत की प्रक्रिया, बाल विवाह की शिकायत के निवारण में विधिक सेवा प्राधिकरणों एवं विधिक सेवा समितियों की भूमिका, बाल विवाह से संबंधित मामले में सजा का प्रावधान आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। आयोजित कार्यक्रम में डिप्टी एलएडीसी वीरेन्द्र कुमार वर्मा, उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मनोज कुमार गहलोत, ब्लॉक सीएमएचओ नवल किशोर मीना, सब इंस्पेक्टर रामस्वरूप मीणा सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधिगण, पैनल अधिवक्ता, अधिकार मित्र, आशा सहयोगिनी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम आदि शामिल रहे।

भाजपा महिला मोर्चा ने नेचर पार्क में "कम तेल की थाली" विषय पर की जागरूकता कार्यशाला आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे "कम तेल की थाली" अभियान के अंतर्गत आज नेचर पार्क, चूरू में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा एक विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षिका सुनीता (पतंजलि परिवार) तथा योग शिक्षिका रोशनी की टीम सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने व अन्य महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन भाजपा जिला सहकोषाध्यक्ष एवं इस कार्यक्रम की सह संयोजक रचना कोठारी ने किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में

बोलते हुए कहा था कि हमे अपने स्वस्थ जीवन के लिए भोजन में तेल की मात्रा कम करना अत्यंत आवश्यक है। कोठारी ने कहा कि कम तेल के उपयोग से हमारे स्वास्थ में सुधार होगा। कार्यशाला के अंत में उपस्थित महिलाओं ने इस अभियान को अपने परिवार, मित्रों एवं समाज में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सभी प्रतिभागियों ने अत्यंत सार्थक एवं प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर मंजू, सुमन, सुलोचना, चंदा, सरला, सुनीता, नुसरत, सरोज, बिस्मील्ला, सहीदन, ललिता, अंजू, संगीता, राजश्री, संतोष, लीला, गरिमा, इंदु सहित अनेक महिला शक्ति उपस्थित रही।

गौ सेवा सप्ताह में 8 गोशालाओं को चारे की सौगात, रामलाल शर्मा ने दिखाई हरी झंडी

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के जन्मदिवस के पावन अवसर पर शुरू हुआ "गौ सेवा सप्ताह" निरंतर अपने सेवा पथ पर अग्रसर है। इस अनूठी और सेवाभावी पहल के अंतर्गत गुरुवार को गौ माता के ग्रास के लिए अलग अलग कार्यक्रमों के माध्यम से 8 चारे की पिकअप गाड़ियां विभिन्न गोशालाओं के लिए भेंट की गईं। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने क्षेत्र में आयोजित अलग-अलग आठ गौशाला में भिजवाए चार की गाड़ी। उल्लेखनीय है कि गौ माता की सेवार्थ इस ऐतिहासिक 'गौ सेवा सप्ताह' का शुभारंभ प्राचीन श्री गढ़ गणेश जी मंदिर, चौमूं से किया गया था। गुरुवार को इस अभियान के तहत शिव

चारा मंडी गोविंदगढ़, शिव चारा मंडी हाड़ौता, थाना मोड़ चौमूं, कानरपुरा गौशाला, भूतेडा गौशाला, स्याऊ गौशाला और श्री वीर तेजाजी गौशाला, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने इन सभी स्थानों पर पहुँचकर गौ माता की सेवा की। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश देते हुए गोशाला परिसरों में पेड़ भी लगाए और उपस्थित कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों को इन पौधों की देखभाल करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा, "गौ सेवा ही वास्तव में माधव की सच्ची सेवा है। इस दौरान भाजपा कालाडेरा मंडल अध्यक्ष लालचंद यादव, पूर्व सरपंच एडवोकेट रामगोपाल मीणा, पूर्व सरपंच गोपाल डेनवाल, सरपंच गौरीशंकर नेतड, गौरक्षक शेर सिंह कुमावत, रिश्पाल कुमावत सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पूर्व विधायक शर्मा का स्वागत किया और उन्हें जन्मदिवस की अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान पर गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

सवाईमाधोपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं ने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर पहुंचकर निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं जांच, परामर्श एवं आवश्यक उपचार का लाभ प्राप्त किया। जिले मे प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन जिला अस्पताल, सीएचसी और पीएचसी पर किया गया। चिकित्सा संस्थानों पर रक्त एवं मूत्र जांच, अनिमिक गर्भवती महिलाओं को एफसीएम, मां वाउचर योजना के तहत सोनोग्राफी वाउचर वितरण, गर्भवती महिलाओं की हिमोग्लोबिन, एचआईवी, सिफलिस, ब्लड प्रेशर, हृदय स्पंदन व प्रसव से संबंधित जटिलताओं की जांच की गई। आवश्यक औषधियां, गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य परामर्श दिया:- अभियान का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं की विशेष रूप से गर्भावस्था की द्वितीय और तृतीय तिमाही में प्रत्येक माह की 9 तारीख को निशुल्क एवं गुणवत्ता पूर्ण प्रसव देखभाल (एएनसी) सेवाएं प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त विस्तारित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (ई-पीएमएसएमए) के तहत प्रत्येक माह की 18 व 27 तारीख को नाम आधारित उच्च जोखिम गर्भावस्था (हाई रिस्क प्रिग्नेंसी - एचआरपी) की ट्रैकिंग, अतिरिक्त फॉलोअप विजिट, रेफरल सहायता की जा रही है। एफसीएम और माँ वाउचर से गर्भवतियों को मिल रहा स्वास्थ्य लाभ:- वहीं गर्भवती महिला के शरीर में कैल्शियम व खून की कमी नहीं आए, इसके लिए आईएफए कैल्शियम और अन्य आवश्यक दवाइयां दी गई। खून कि कमी से ग्रसित गर्भवतियों को एफसीएम इंजेक्शन लगाया गया। इसके साथ ही निशुल्क सोनोग्राफी हेतु गर्भवतियों को माँ वाउचर योजना के अंतर्गत वाउचर भी वितरित किए।

ग्राम पंचायत ठीकरिया में ग्रामीण सेवा शिविर का कलक्टर बालमुकुंद असावा ने किया निरीक्षण

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने गुरुवार को तहसील अंता की ग्राम पंचायत ठीकरिया में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण किया। शिविर के दौरान आमजन की समस्याएं सुनते हुए उन्होंने सभी विभागों की प्रगति रिपोर्ट की बारीकी से समीक्षा की।

शौचालय नहीं होने की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई

शिविर के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एक आंगनबाड़ी केंद्र में शौचालय नहीं होने की समस्या बताई गई। इस पर जिला कलक्टर ने मौके पर ही विकास अधिकारी को निर्देशित कर ग्राम पंचायत द्वारा शौचालय निर्माण की स्वीकृति जारी करवाई। उन्होंने कहा कि बच्चों और महिलाओं की सुविधा से कोई समझौता नहीं होगा।

पट्टा वितरण, पशु बीमा और गोद भराई

शिविर में जिला कलक्टर ने लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए, मंगला पशु बीमा पॉलिसी सौंपी

और गोद भराई की रस्म भी निभाई। उन्होंने परिवादियों की सुनवाई कर संबंधित विभागों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। अच्छी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति पर ग्राम पंचायत प्रशासक राज सिंह चौधरी को धन्यवाद दिया। राजस्व विभाग द्वारा 11 खाता विभाजन और 15 रिकॉर्ड शुद्धि का कार्य समय पर करने पर राजस्व टीम की प्रशंसा की।

नीट परीक्षा केंद्रों का जायजा, शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण

इसके बाद जिला कलक्टर ने पुलिस अधीक्षक के साथ आगामी 21 जून को आयोजित होने वाली छम्ज् परीक्षा के मद्देनजर अंता के दोनों परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शहरी सेवा शिविर नगर पालिका अंता का निरीक्षण करते हुए उन्होंने 2 लोगों को पट्टे वितरित किए। लंबित पट्टे, निर्माण स्वीकृति और पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत आवेदन शीघ्र स्वीकृत कर लाभार्थियों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने कहा कि ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों का उद्देश्य आमजन को उनके घर के नजदीक ही सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ब्रीफ खबरें

तालीम व तर्बियत कामियाबी और तरक़्क़ी की कुंजी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । मुस्लिम प्रोग्रेसिव फ़ेडरेशन राजस्थान के कन्वीनर अब्दुल सलाम जौहर ने कहा कि अक्सर बहुत आसानी से हम अपनी बिरादरी क़ौम मिल्लत की ना-कामियाबी, तरक़्क़ी और आर्थिक बदहाली, नाकामी और हमारे साथ होने वाले ज़ुल्म, ना-इंसाफ़ी की बात को बहुत आसानी से दूसरों पर डाल देते हैं । कभी सरकारों पर और प्रशासन पर किसी संगठन संस्था तंजीम को क़सूरवार ज़िम्मेदार ठहरा कर, क़ौम बड़ी आसानी से इल्ज़ाम लगाकर अपने आपको बरी कर लेती है और यही हम करते आ रहे हैं ! क्या यही पूरी हक़ीक़त सच्चाई है? क्या हमने ईमानदारी फ़िक्रमंदी संजीदगी से कभी अपने आप पर गौर किया कि हम क्या कर रहे हैं, हमारी अपनी क्या-क्या कमियाँ और लापरवाहियाँ ग़लतियाँ हैं? हमारी अपनी क्या ज़िम्मेदारियाँ हैं और जो हम कर रहे हैं, क्या वो सही हैं ? हमें ख़ुद को जो करना चाहिये जो ज़िम्मेदारी हमारी अपने लिये अपने घर-ख़ानदान, बिरादरी अपने समाज के लिये करना चाहिये क्या वो हम कर रहे हैं ? इस पर हम क्या ईमानदारी से गौरो-फ़िक्र, मेहनत, जद्दो-जेहद और निरंतर कोशिशें कर रहे हैं ? जब हम ख़ुद ही ईमानदारी से कुछ नहीं कर रहे हैं, एक दूसरे की तनक़ीद, आपस में ना इत्तिहाद है, ना भाईचारा है, ना तालीम पाने और अपने लोगों को तालीम दिलाने और ना ही कारोबार करने की जद्दो- जेहद कोई फ़िक्रमंदी कोई मुस्तक़बिल का मुस्तक़िल प्लान ना कोई पुख़्ता अमल है! फालतू कामों में, रातों को अपने मोहल्लों कॉलोनियों में, चाय होटलों में देर रात तक बैठकर अपना वक़्त बर्बाद कर रहे हैं । दीगर बुरे गंदे शोक नशे तक की लत आदतों में अपना क़ीमती वक़्त अपनी ज़िंदगी बर्बाद कर रहे हैं! महँगी शादी ब्याह और उसमें दिखावा में, ग़ैर ज़रूरी रस्मों,रीति-रिवाजों में बे-तहाशा फ़िज़ूल ख़र्चा व दिखावा में क़ौम मिल्लत अपना क़ीमती सरमाया पैसा ज़ाया कर रही है ! क्या इस को सादगी से कम लेन देन और ग़ैर ज़रूरी रस्मों के ख़र्च को ख़त्म या कम करके इस रकम राशि से हम अपने क़ौम बिरादरी के बच्चों की तालीम तर्बियत पर ख़र्च नहीं कर सकते ? क्या अपनी क़ौम बिरादरी के कमज़ोर ग़रीब लोगों के कारोबार में मदद नहीं कर सकते? हम आपस में इत्तिहाद भाई चारा हमदर्दी एक दूसरे की मदद में भागीदार हिस्सेदार बनकर अपने ज़रूरतमंद क़ाबिल होनहार बच्चों की आला तालीम में मददगार नहीं बन सकते ! अपनी फ़िज़ूल ग़लत ख़र्चों, आदतों, बुराइयों और रातों को देर तक मोहल्लों और होटलों में बैठकर वक़्त बर्बाद करने से बच नहीं सकते, ताकि सुबह जल्दी उठकर अपने अपने काम कारोबार की मेहनत जद्दो-जेहद में लग जायें! यह सोचने, गौर करने का अमल करने का मुक़ाम है! अल्लाह हम सब को नेक हिदायात नेक तौफ़ीक़ अता फ़रमाये ! हमें दूसरों पर इल्ज़ाम लगाने से पहले अपने अमल कारनामों पर नज़र करने, सुधार करने और ख़ुद अपनी अपने घर वालों और क़ौम मिल्लत बिरादरी की ज़िम्मेदारी समझने उसे पूरा करने की तौफ़ीक़ अता फ़रमाये!

वरिष्ठ पत्रकार उपेंद्र सिंह राठौड़ के जैसलमेर प्रकरण को लेकर विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय ने संभागीय आयुक्त को आवश्यक कार्यवाही के दिए निर्देश

जयपुर/जैसलमेर (रॉयल पत्रिका)। वरिष्ठ पत्रकार उपेंद्र सिंह राठौड़ के साथ जैसलमेर में कथित प्रशासनिक अन्याय के मामले को लेकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग ने जोर पकड़ लिया है। इस संबंध में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय से जोधपुर संभागीय आयुक्त को पत्र भेजकर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय से जारी पत्र में कहा गया है कि आईएफडब्ल्यूजे (इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स) जोधपुर इकाई के जिला अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रदीप जोशी द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन को संज्ञान में लिया गया है। ज्ञापन में वरिष्ठ पत्रकार उपेंद्र सिंह राठौड़ के साथ हुए कथित प्रशासनिक अन्याय की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है। पत्र में संभागीय आयुक्त, जोधपुर से कहा गया है कि विधानसभा अध्यक्ष के निर्देशानुसार मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पत्र के साथ संबंधित ज्ञापन भी संलग्न किया गया है। पत्रकार संगठनों ने विधानसभा अध्यक्ष की इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाएगी तथा पत्रकारों के अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा सुनिश्चित होगी।

जनसेवा विकास समिति दुधवाखारा सदस्यों की एक बैठक संपन्न

चूरू/दुधवाखारा (रॉयल पत्रिका)। जन सेवा विकास समिति के कार्यालय में बैठक आयोजित हुई जिसमें समिति के सदस्य, ग्रामवासी, प्रोफेसर डी के सिंह व डॉक्टर रामावतार शर्मा उपस्थित थे। समिति की बैठक में विचार-विमर्श किया गया। वृक्षारोपण पर डॉक्टर रामावतार शर्मा जयपुर से निंबू के पेड़ लेकर आए थे जो गांव में वितरित किए गये। ग्राम पंचायत द्वारा जोहड़ पायतन में मिट्टी का समतलीकरण करवा दिया गया। है। वृक्षारोपण कार्य में हमें ग्राम पंचायत का भरपूर सहयोग मिलता रहा है, अतः वर्षा आने पर, ग्राम पंचायत के सहयोग से, माह जुलाई में सधन वृक्षारोपण कार्य करने का निर्णय लिया गया।

जोहड़ व गऊघाट की मरम्मत - वर्षा ऋतु में मरम्मत का कार्य नहीं हो पाएगा, अतः वर्षा ऋतु के बाद इस पर निर्णय लिया जाएगा। इस बीच में सरकार से वित्तीय सहायता के लिए प्रशासन से पत्राचार किये जाने का निर्णय लिया गया।

कुएं की मरम्मत व रंग रोगन- तालाब के पास कुंआ गांव की ऐतिहासिक धरोहर है। देवकरण दाधीच द्वारा इसकी सफाई करवा कर इसमें मोटर लगवादी गई है। तथा कुएं का पानी नये

तालाब में डलवाया जा रहा है। इसके अलावा तालाब के पास ग्राम पंचायत द्वारा बोरिंग करवाई गई है जिसका पानी भी नये तालाब में डलवाया जा रहा है। माननीया सरपंच साहिबा ने कहा है कि कुएं की मरम्मत व रंगरोगन का कार्य ग्राम पंचायत द्वारा करवाया जाएगा।

समिति के खातों का आडिट - बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि जनसेवा विकास समिति, दुधवाखारा के खातों की वित्तीय आडिट करवाई जाएगी तथा तथ्यात्मक रिपोर्ट आगामी बैठक में प्रस्तुत की जाएगी।

स्वास्थ्य एवं पर्यावरण - पर डाक्टर रामावतार जी हर माह दो दिन गांव में प्रवास करते हैं इस दौरान ग्रामवासियों व आसपास के लोगों को चिकित्सीय परामर्श देते हैं तथा स्वस्थ्य जीवनशैली के बारे में समझाते हैं। डॉक्टर साहब फलदार और उपयोगी वृक्ष भी उपलब्ध करवाते हैं जिससे पर्यावरण और स्वास्थ्य में लाभ मिलता है।

स्वास्थ्य शिविर (Health Camp) का आयोजन - बड़ी खुशी की बात है कि बैठक में डाक्टर रामावतार शर्मा ने बताया कि माह अगस्त 2026 में गांव में एक स्वस्थ शिविर आयोजित किया जाएगा जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सक स्वास्थ्य जांच करेंगे। हम सभी ग्रामवासियों से आग्रह है कि स्वास्थ्य लाभ लें व कैम्प को सफल बनाएं।

समिति के कार्यालय, जोड़ पायतन स्थित धर्मशाला में बैठक का आयोजन सुखद रहा। डॉक्टर रामावतार शर्मा के द्वारा वित्तीय व्यवस्था करवाए जाने के फलस्वरूप धर्मशाला की मरम्मत व रंगरोगन का कार्य होगया तथा बैठने के लिए बैंच व दरी की व्यवस्था हो गई। साथ ही ग्राम पंचायत के भरपूर सहयोग से आंगन में चोके व दीवार पर जाली व अन्य उपयोगी काम करवाने से यह एक उपयोगी स्थान बन गया है। बैठक में उपस्थित होने और उपयोगी वार्ता तथा परामर्श के लिए सभी ग्रामवासियों का डॉक्टर मुस्तकीम अली शेख ने आभार व्यक्त किया गया।

ग्रामीण सेवा शिविर में वर्षों पुरानी राजस्व समस्या का हुआ समाधान

हनुमानगढ़/नोहर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के तहत नोहर उपखंड के पटवार मंडल दीपलाना में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राजस्व, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। शिविर के दौरान दीपलाना निवासी सुरेन्द्र कुमार सहारण पुत्र अमीलाल ने अपनी कृषि भूमि से संबंधित राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटि का मामला प्रस्तुत किया। चक 22 डीपीएन के खाता संख्या 3 एवं 4 में स्थित भूमि के किला नंबर 15/1 एवं 15/2 की किस्म अलग-अलग दर्ज होने के कारण उन्हें लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। शिविर प्रभारी नायब तहसीलदार

एवं पटवारी द्वारा मामले की जांच कर राजस्व रिकॉर्ड में आवश्यक शुद्धि की गई तथा दोनों किलों की किस्म का सही अंकन कर राहत प्रदान की गई। इससे वर्षों से लंबित समस्या का समाधान मौके पर ही हो गया। लाभार्थी सुरेन्द्र कुमार सहारण ने बताया कि वह लंबे समय से इस त्रुटि के कारण परेशान थे। ग्रामीण सेवा शिविर में आवेदन करने पर त्वरित कार्रवाई कर उनके खाते की शुद्धि की गई, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली। उन्होंने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों बाद राजस्व रिकॉर्ड में सुधार होने से उन्हें अत्यंत खुशी हुई है। ग्रामीण सेवा शिविरों में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कर उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही राहत मिल रही है।

किड्ज योग शिविर का हुआ समापन, बच्चों ने सीखे स्वास्थ्य, अनुशासन और संस्कार के सूत्र

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं श्रीजी योगशाला की ओर से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस काउंटडाउन अभियान के तहत खेल संकुल में चल रहे 10 दिवसीय नि:शुल्क किड्ज योग शिविर-2026 का भव्य समापन समारोह उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में बच्चों ने नियमित रूप से योग, प्राणायाम, ध्यान, दौड़ एवं विभिन्न शारीरिक गतिविधियों का प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिला युवा अधिकारी अशोक कुमार मेघवाल रहे। अध्यक्षता योग दिवस सहायक नोडल अधिकारी डॉ. सुनील कुशवाह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में रेडक्रॉस सोसायटी के कोषाध्यक्ष ध्रुव व्यास, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शिक्षक संघ के

जिलाध्यक्ष रामराज बराला एवं बूंदी खेलकूद विकास समिति के अध्यक्ष शक्ति तोषनीवाल मंचासीन रहे। अतिथियों ने बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा नियमित योगाभ्यास को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक एकाग्रता, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों के विकास का सशक्त साधन है। बच्चों में योग के संस्कार विकसित करना स्वस्थ एवं सशक्त समाज निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। योग गुरु दीपक गुर्जर के निर्देशन में संचालित इस शिविर में बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योग की विभिन्न विधाओं का अभ्यास किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग करने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में परिवार सहित सहभागिता का संकल्प लिया। इस दौरान प्रशिक्षक भूपेन्द्र योगी, विशाल गुर्जर, शिखर पंचोली, प्रांशु सिंह, सुधा चौधरी, चारु अग्रवाल, गोविंद प्रजापत, विजेंद्र चौधरी सहित अन्य उपस्थित रहें।

आरसेटी प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), श्रीगंगानगर में सांसद कुलदीप इंदौरा ने संस्थान का दौरा कर आरसेटी द्वारा संचालित विभिन्न रोजगारोन्मुखी निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी ली तथा वर्तमान में चल रहे 35 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों से संवाद किया। आरसेटी निदेशक अमित चौपड़ा ने सांसद को संस्थान की प्रशिक्षण कार्यप्रणाली एवं स्वरोजगार आधारित गतिविधियों की जानकारी दी। सांसद इंदौरा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें उद्यमिता कौशल विकसित कर स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठाने तथा अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार, समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक, श्रीगंगानगर के मंडल प्रमुख सतीश रत्न भी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बैंक की विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी देते हुए आवश्यकतानुसार ऋण प्राप्त कर अपने स्वरोजगार को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा बैंक की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। अग्रणी जिला प्रबंधक मुकेश कुमार जांगड़ा ने आभार व्यक्त किया।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित, 8750 किसानों को जोड़ने का लक्ष्य

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को कृषि भवन स्थित आत्मा सभागार में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कृषि सखी, ब्लॉक रिसोर्स पर्सन, प्रगतिशील किसान, कृषि वैज्ञानिक एवं विभागीय अधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व, इसके लाभ और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इसकी शुरुआत कम से कम एक एकड़ भूमि से करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती स्वस्थ मृदा, सुरक्षित पर्यावरण और समृद्ध किसान की अवधारणा पर आधारित है। प्राकृतिक खेती पूरी तरह रसायन मुक्त होती है, जिसमें खेत पर उपलब्ध संसाधनों तथा देशी गाय के गोबर और गोमूत्र का उपयोग किया जाता है। उद्यान विभाग के सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत राजस्थान में 1800 क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। बीकानेर जिले को 70 क्लस्टर आवंटित किए गए हैं, जिनमें 8750 किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि 60 क्लस्टरों में प्रत्येक के लिए दो कृषि सखियों का चयन किया गया है, जो गांव स्तर पर किसानों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देंगी। कार्यशाला में बताया गया कि प्राकृतिक खेती कार्यक्रम के तहत जिले में छह बायो-इनपुट रिसोर्स सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। प्रत्येक केंद्र के लिए एक लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। वहीं चयनित कृषि सखियों को प्रति माह 5 हजार रुपये मानदेय तथा मोबाइल सुविधा के लिए एकमुश्त 4 हजार रुपये दिए जाएंगे। विशेषज्ञों ने जीवामृत, बीजामृत, पंचगव्य, ब्रह्मास्त्र और अन्य जैविक संसाधनों के उपयोग की जानकारी देते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, लाभकारी जीवाणुओं की संख्या में वृद्धि होती है और उत्पादन लागत में कमी आती है। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों, जनप्रतिनिधियों और प्रगतिशील किसानों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा प्राकृतिक खेती को भविष्य की आवश्यकता बताया।

करणपुर के भंवरलाल को ग्रामीण सेवा शिविर में मिला आवासीय पट्टा

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में जारी ग्रामीण सेवा शिविरों के दौरान आमजन को राहत मिल रही है। गुरूवार को करणपुर उपखण्ड की ग्राम पंचायत 15 ओ में आयोजित शिविर के दौरान भंवरलाल पुत्र बुधराम निवासी 9 ओ ने आवासीय पट्टा के लिये आवेदन किया। शिविर प्रभारी तहसीलदार गिरधारी सिंह द्वारा तत्काल कार्यवाही कर पट्टा जारी किया गया। पट्टा मिलने पर लाभार्थी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार का आभार जताया। शिविर के दौरान राजस्व विभाग में 1 सहमति विभाजन, 2 शुद्धिकरण, 4 सीमाज्ञान, 11 नामांतरण, 23 जाति/मूल/हैसियत प्रमाण पत्र जारी किये गये। पंचायती राज विभाग द्वारा वीबीजी-रामजी योजना के दो कार्य प्रस्ताव, पीएम आवास योजना की एक किश्त जारी करते हुए 20 पट्टे वितरण, व्यक्तिगत शौचालय के 6, सीएचसी के 1, ठोस कचरा अपशिष्ट नियम 2026 सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई। कृषि विभाग द्वारा 27 पीएम बीमा पॉलिसी और पशुपालन विभाग द्वारा 15 मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना पॉलिसी का वितरण किया गया।

दिव्यांग भूपेन्द्र कुमार को शिविर में तत्काल मिली ट्राईसाइकिल

हनुमानगढ़/टिब्बी (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविर-2026 के अंतर्गत नगरपालिका टिब्बी क्षेत्र के वार्ड संख्या 4 एवं 5 में गुरुवार को आयोजित शिविर में दिव्यांगजन को तत्काल राहत प्रदान करते हुए ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई गई। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा पात्र व्यक्तियों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। टिब्बी निवासी भूपेन्द्र कुमार, जो चलन निःशक्तता से पीड़ित हैं, ने शिविर में सहायता के लिए आवेदन किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से संयुक्त सहायता अनुदान उपकरण योजना के तहत उनका आवेदन मौके पर ही पूर्ण करवाया गया तथा तत्काल ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराकर लाभान्वित किया गया। ट्राईसाइकिल मिलने पर भूपेन्द्र कुमार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार एवं

जिला प्रशासन का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इससे उनकी दैनिक गतिविधियों एवं आवागमन में काफी सुविधा होगी तथा आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि प्रमोद डेलू, महंगा सिंह, जगदीश कसवां, ओम सोनी, श्रीमती सुमित्रा तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की कार्मिक सुश्री आईना उपस्थित रहीं। अतिथियों ने भूपेन्द्र कुमार को ट्राईसाइकिल एवं स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किया।

नीट यूजी पुनर्परीक्षा की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर कलक्टर बालमुकुंद असावा ने निर्देश दिए हैं कि आगामी 21 जून को होने वाली नीट यूजी पुनर्परीक्षा 2026 में किसी भी तरह की कोताही नहीं बरतते हुए पूरी संवेदनशीलता और सजगता के साथ परीक्षा का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। जिला कलक्टर असावा ने मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक में परीक्षा के सुव्यवस्थित व कदाचार मुक्त संचालन की व्यवस्थाओं और सावधानियों के संबंध में सभी केन्द्राधीक्षकों निर्देशित करते हुए कहा कि परीक्षा को लेकर प्राप्त दिशानिर्देशों की कड़ाई से पालना की जाए। परीक्षा के आयोजन में लापरवाही और त्रुटि की कोई गुंजाइश नहीं रहे। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण परीक्षा के सफल आयोजन के लिए प्रशासनिक, पुलिस, शिक्षा विभाग व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों

सहित परीक्षा केन्द्र अधीक्षक आपसी समन्वय बनाते हुए पूरी सावधानी के साथ परीक्षा संपादित करवाएं। केन्द्रों पर प्रवेश से पूर्ण अभ्यर्थियों की बारीकी से तलाशी ली जाए। परीक्षा केन्द्रों पर छाया व पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाए। साथ ही विद्युत आपूर्ति की भी निर्बाध व्यवस्था रहे। सभी परीक्षा केन्द्रों पर प्राथमिक चिकित्सा सुविधा की भी उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे से भी लगातार निगरानी रखी जाए। किसी भी तरह की संदिग्ध जानकारी मिलने पर उच्चाधिकारियों को तत्काल अवगत कराएं। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने कहा कि कदाचार मुक्त परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्रों पर प्रश्नपत्र रखने के लिए समर्पित कक्ष बनाएं जाए। वॉशरूम इत्यादि की पहले से साफ-सफाई के साथ जांच कर ली जाए। साथ ही 300 मीटर की परिधि में ई-मित्र, साइबर कियोस्क आदि का संचालन न हो। परीक्षा केन्द्रों पर मोबाइल फोन नहीं ले जाने दिया जाए। परीक्षा दिवस पर सभी केन्द्रों पर पुलिस जाप्ते के माध्यम से सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था रखी जाएगी। साथ ही पुलिस गश्तीदल भी निरंतर सक्रिय रहेंगे। बैठक में नोडल अधिकारी व एडीएम भंवरलाल जनागल, पुलिस नोडल अधिकारी व एएसपी डॉ. कमल कुमार जांगिड़ सहित संबंधित अधिकारी व केन्द्राधीक्षक उपस्थित थे।

रश्मि देसाई

ने अपने पुराने दिनों को याद किया

नहीं पता था कि किस्मत कहां ले जाएगी

अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने कहा कि 'छोटी रश्मि' को कभी नहीं पता था कि किस्मत उन्हें कहां ले जाएगी लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी चमक बनाए रखी। रश्मि ने वर्ष 2006 में 'रावण' से हिंदी टेलीविजन में डेब्यू किया था। उन्होंने अपने बचपन की कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह स्टाइलिश अंदाज में तैयार नजर आ रही हैं। इस सफर में मिले हर सबक, संघर्ष और आशीर्वाद के लिए आभार जताते हुए 2000 के दशक के शो 'उतरन' में तपस्या का किरदार निभाकर मशहूर हुई इस एक्ट्रेस ने उन अनुभवों का जश्न मनाया जिन्होंने उन्हें आज का इंसान बनाया है। रश्मि देसाई ने इंस्टाग्राम कैप्शन में लिखा, 'छोटी रश्मि को नहीं पता था कि जिंदगी उसे कहां ले जाएगी, लेकिन फिर भी वह अपने अंदर की चमक बनाए हुए थी। इस सफर में मिले हर सबक, हर संघर्ष और हर आशीर्वाद के लिए आभारी हूं। 'बता दें कि रश्मि देसाई रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' में अपने काम से लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब रही थीं।उन्होंने 'परी हूं मैं', 'झलक दिखला जा 5', 'फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 6', 'जरा नचके दिखा 2' और 'नच बलिए 7' जैसे शो में भी नजर आई और सलमान खान की फिल्म 'दबंग 2' में एक खास रोल भी किया। 40 वर्षीय रश्मि आखिरी बार 'वागले की दुनिया, नई पीढ़ी नए किस्से' में दिखी थीं। यह शो कार्टूनिस्ट आर. के. लक्ष्मण के किरदारों, खासकर 'द कॉमन मैन' पर आधारित है और इसमें एक आम मिडिल-क्लास भारतीय आदमी की रोजमर्रा की समस्याओं को दिखाया गया है। इससे पहले मई में, 'मिसेज मारा ऑनलाइन चे' के साथ थिएटर की दुनिया में नाम कमाने वाली रश्मि ने एक इंटरव्यू में कहा था कि थिएटर कलाकारों को समय पर उनका हक नहीं मिलता और उन्हें 'किसी और की मंजूरी' की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा था कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है। आईएएनएस से बातचीत में रश्मि ने बताया था कि एक थिएटर एक्टर बहुत मेहनत करता है। उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिलता, उन्हें जो मजा आता है, उसका एक छोटा सा परिवार होता है, और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत नहीं होती जो उन्हें बताए कि 'ठीक है, यह करो, वह करो।' उन्होंने आगे कहा, 'और अगर वे कोई गलती करते हैं या किसी तरह की नाकामी का सामना करते हैं, तो दूसरे लोग उनका हाथ थामने और यह कहने के लिए तैयार रहते हैं कि 'ठीक है, यह भी गुजर जाएगा।' तो हां, हमेशा एक नई शुरुआत होती है, और थिएटर इसे सीखने का सबसे अच्छा जरिया है।

'बंटवारा 1947' के किरदारों से उठा पर्दा

बिखरते दौर में साहस और इंसानियत की मिसाल बने ये चेहरे

दमदार और भावनात्मक मोशन पोस्टर के बाद अब बंटवारा 1947 के मेकर्स ने फिल्म के कैरेक्टर पोस्टर्स जारी कर दिए हैं, जो ताकत, मासूमियत और अटूट जज़्बे को दर्शाते हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी यह फिल्म मातृभूमि के प्रति साहस और दृढ़ संकल्प की भावनाओं से जुड़ी एक कहानी पेश करने का वादा करती है। फिल्म को लेकर बढ़ते उत्साह के बीच मेकर्स ने उन किरदारों से पर्दा उठाया है, जो उस दौर में साहस और उम्मीद के प्रतीक बनकर उभरे थे, जब उनके आसपास की दुनिया बिखर रही थी। फिल्म की दुनिया को और करीब से दिखाते हुए बंटवारा 1947 के कैरेक्टर पोस्टर्स सामने आए हैं। इनमें शबाना आज़मी दुर्गावती देवी (माई) के रूप में, सनी देओल सिकंदर मिर्ज़ा के रूप में, प्रीति जी. जिंटा हमीदा बेगम के रूप में, करण देओल जावेद मिर्ज़ा के रूप में, अली फज़ल हबीब अनवर के रूप में और अभिमन्यु सिंह याकूब खान के रूप में नजर आ रहे हैं। ये पोस्टर्स उन लोगों की कहानी बयां करते हैं जिन्होंने बंटवारे के कठिन दौर में भी हार नहीं मानी और अपने साहस व धैर्य से मिसाल कायम की। मेकर्स द्वारा जारी किया गया किशन का पोस्टर खास तौर पर बेहद आकर्षक और प्रभावशाली नजर आता है। यह दर्शाता है कि फिल्म की ताकत केवल उसके किरदारों में ही नहीं, बल्कि उसके समर्पण और भावनात्मक आत्मा में भी निहित है। हर चेहरा अपने भावों और उपस्थिति के जरिए बहुत कुछ कहता है, जिसने इस दिलचस्प कहानी को बड़े पर्दे पर देखने की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित बंटवारा 1947 लगभग तीन दशक बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल की बहुप्रतीक्षित वापसी को भी चिन्हित करती है।आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी बंटवारा 1947 का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने तैयार किया है, जबकि गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म का निर्माण आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने किया है। यह फिल्म 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अल्फा का ट्रेलर रिलीज

आलिया भट्ट और बॉबी देओल में होगी जंग, ऋतिक की एंट्री ने बढ़ाया रोमांच

यश राज फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित स्पाई एक्शन फिल्म 'अल्फा' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। लंबे समय से इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई थी और अब ट्रेलर ने फिल्म की कहानी, किरदारों और एक्शन की झलक दिखाकर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। ट्रेलर 2 मिनट 33 सेकंड का है। इसमें एक्शन, सस्पेंस, इमोशन और दमदार विजुअल्स है। इसके जरिए मेकर्स ने पहली बार फिल्म की कहानी को लेकर कई बड़े खुलासे भी किए गए हैं, जिनमें आलिया भट्ट के किरदार का बैकग्राउंड, बॉबी देओल का खतरनाक रोल और ऋतिक रोशन के कैमियो शामिल है। ट्रेलर की बात करें, तो इसकी शुरुआत एक छोटी बच्ची से होती है, जिसका नाम बॉबी देओल सीता रखते हैं। बॉबी देओल का किरदार कहता है- 'इसकी मां का नाम जानकी था और हम इसे सीता बनावेंगे।' यह बच्ची आलिया भट्ट का किरदार है। इस दौरान उनकी एंट्री दिखाई जाती है और बैकग्राउंड में एक वॉयस चलती है, जिसमें आलिया कहती है- 'कहानी कुछ यूं है- एक राक्षस था। घमंड उसका शस्त्र है। वह धोखे से राज करता था और झूठ से जीतता था। एक दिन एक राजकुमारी को अपने घर ले गया। इतिहास जानता है कि उस कहानी का अंत कैसे हुआ। पर इस बार सीता आज लंका खुद जलाने आई है।'ट्रेलर में आलिया भट्ट का अब तक का सबसे दमदार एक्शन अवतार देखने को मिलता है। वह कई दुश्मनों का सामना करती नजर आती हैं- बंदूकें चलाती हुई, विस्फोट करती हुई। उनके किरदार को काफी प्रभावशाली तरीके से दिखाया गया है। फिल्म में आलिया के साथ शरवरी वाघ भी हैं, जिनका किरदार कहानी की सबसे अहम कड़ियों में से एक हैं।

तू ही रे दिल में वृंदा का किरदार चुनौतीपूर्ण, धैर्य और विश्वास उसे बनाता है खास

प्रियांशी यादव

अभिनेत्री प्रियांशी यादव जल्द ही जी टीवी के नए शो 'तू ही रे दिल में' में नजर आएंगी। शो में अभिनेत्री के किरदार का नाम वृंदा है। शो के प्रसारण से पहले उन्होंने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की और बताया कि वृंदा का किरदार उनके अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक है। प्रियांशी ने कहा कि जब उन्हें इस भूमिका के लिए ऑफर मिला, तभी उन्हें एहसास हो गया था कि यह एक सामान्य किरदार नहीं है। उनके अनुसार, वृंदा एक ऐसी महिला है जिसकी सोच, व्यवहार और जीवन को देखने का नजरिया काफी अलग है। यही वजह है कि इस किरदार को निभाने के लिए वह पहले दिन से ही उत्साहित थीं और उन्हें हर दिन खुद को उसकी दुनिया और भावनाओं के अनुरूप ढालना पड़ता है। अभिनेत्री ने बताया कि 'तू ही रे दिल में' की कहानी तीन लोगों के जीवन, उनकी भावनाओं और रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है। उन्होंने कहा कि शो की कहानी और किरदार दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने की क्षमता रखते हैं, जो उन्हें काफी पसंद आएगा। प्रियांशी के मुताबिक, कई बार उन्हें ऐसा महसूस होता है कि वृंदा को अपने लिए आवाज उठानी चाहिए। जब उसके साथ गलत होता है, तब भी वह विरोध करने के बजाय चुप्पी और धैर्य का रास्ता चुनती है। हालांकि, यही बात उसके व्यक्तित्व को अलग और खास बनाती है। उन्होंने कहा कि वृंदा का भगवान पर गहरा विश्वास है। वह मानती है कि जीवन में जो भी होता है, उसके पीछे कोई न कोई कारण जरूर होता है। चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, वह भरोसा नहीं खोती। प्रियांशी ने बताया कि वास्तविक जीवन में उनकी प्रतिक्रिया कई मामलों में वृंदा से बिल्कुल अलग हो सकती है, लेकिन एक कलाकार के रूप में यही अंतर उनके लिए इस किरदार को और अधिक रोचक बनाता है।अभिनेत्री का कहना है कि वृंदा की भावनाओं को समझना और उसके व्यक्तित्व के प्रति ईमानदार रहना उनके लिए एक सीखने वाला अनुभव रहा है। इस किरदार ने उन्हें एक कलाकार के रूप में अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने का अवसर दिया है। प्रियांशी ने पूरी टीम की मेहनत की भी सराहना की।

मुझे अपनी जिंदगी अपनी तरह जीना पसंद

माधुरी दीक्षित

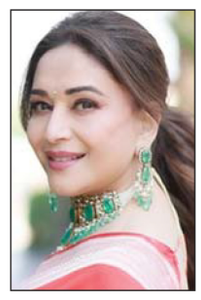

बॉलीवुड की 'धक-धक गर्ल' माधुरी दीक्षित ने बढ़ती उम्र और बदलते रूप को लेकर होने वाली ट्रोलिंग पर खुलकर अपनी बात रखी है। एक बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि उम्र के साथ शरीर और चेहरे में बदलाव आना स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन लोगों की टिप्पणियों के कारण वह अपनी पसंद की चीजें करना नहीं छोड़ेंगी। माधुरी ने कहा कि इंसान को वही करना चाहिए जिससे उसे खुशी मिलती हो और वह अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीना पसंद करती हैं। अपनी आगामी फिल्म 'मां बहन' के संदर्भ में माधुरी ने समाज में मां की आदर्श छवि पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मां को अक्सर इतना आदर्श बना दिया जाता है कि उससे हर समय परफेक्ट रहने की उम्मीद की जाती है, जबकि वह भी एक इंसान है और उसे भी आराम व देखभाल की जरूरत होती है। साथ ही उन्होंने नई पीढ़ी के कलाकारों की तारीफ करते हुए कहा कि आज के युवा कलाकार पूरी तैयारी के साथ काम करते हैं। माधुरी ने तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा जैसे कलाकारों की सराहना करते हुए नई पीढ़ी पर गर्व जताया।

सोनू निगम की सेहत खराब

एमआरआई, सीटी स्कैन, दब गईं नसें

असहनीय दर्द से परेशान

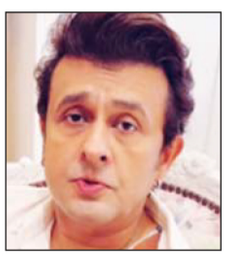

बॉलीवुड के जाने-माने सिंगर सोनू निगम इन दिनों एक गंभीर और बेहद दर्दनाक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर अपने फैंस को अपनी सेहत से जुड़ी एक बड़ी जानकारी दी है। सोनू निगम ने खुलासा किया है कि वे 'पिंच्ड नर्व' यामी नस दबने की बीमारी से जूझ रहे हैं। इसकी वजह से असहनीय दर्द का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, इतनी तकलीफ के बावजूद उन्होंने अपने साफ कर दिया है कि वे दर्द में होने के बाद भी मुंबई में होने वाले अपने आगामी लाइव कॉन्सर्ट को कैंसिल नहीं करेंगे। सोनू निगम ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर अपना हेल्थ अपडेट शेयर किया है. वीडियो में उनके गर्दन के बास पैच लगे दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में सोनू ने बताया कि उन्हें 'पिंच्ड नर्व' की समस्या हो गई है, जिसकी वजह से उन्हें काफी दर्द का सामना करना पड़ रहा है।

जेआरडी टाटा का किरदार निभाना सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारीः नसीरुद्दीन शाह

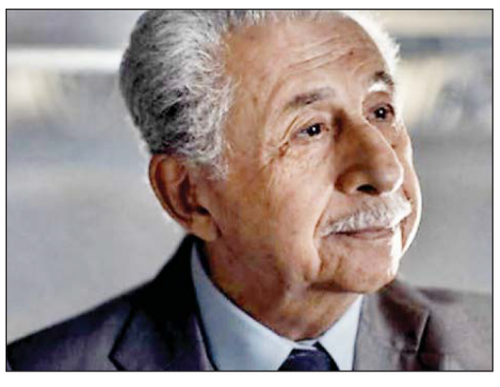

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बायोपिक का चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसी ही एक सीरीज 'मेड इन इंडियाः ए टाइटन स्टोरी' में भारत के जाने-माने उद्योगपति जेआरडी टाटा के जीवन को दिखाया गया है। इस सीरीज में अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने जेआरडी टाटा का किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिल रही है। इस अनुभव को लेकर नसीरुद्दीन शाह ने बताया कि यह किरदार उनके लिए सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी थी। नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''जेआरडी टाटा एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनकी सबसे बड़ी खासियत उनका संयम और सादगी थी। वह हमेशा बहुत शांत और संतुलित तरीके से रहते थे। यही बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है कि इतने बड़े उद्योगपति होने के बावजूद उन्होंने कभी अपने व्यक्तित्व को प्रचार का हिस्सा नहीं बनने दिया।'' अभिनेता ने आगे कहा, ''जेआरडी टाटा को समझना और उन्हें पर्दे पर निभाना मेरे लिए आसान काम नहीं था। अपने लंबे करियर में मैंने कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन यह भूमिका बेहद खास और जिम्मेदारी भरी थी, क्योंकि वह भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए इस भूमिका को निभाते समय मैंने काफी ध्यान और गंभीरता से काम किया।'' नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन पाया हूं। इसके लिए मुझे एक ऐसे इंसान को समझने का अवसर मिला, जिनकी सोच और व्यक्तित्व आज भी लोगों के लिए प्रेरणा हैं। ऐसे किरदार कलाकार को भीतर से बदल देते हैं, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय नहीं बल्कि गहराई से समझने की जरूरत होती है।'' उन्होंने को-स्टार जिम सर्भ की तारीफ करते हुए कहा, ''उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे सामने वाले कलाकार को ध्यान से सुनते हैं। यह गुण बहुत कम कलाकारों में देखने को मिलता है, लेकिन अभिनय में यह बेहद जरूरी होता है। जब कोई अभिनेता अपने साथी कलाकार की बात और भाव को समझता है, तभी सीन अधिक प्रभावशाली बनता है।''नसीरुद्दीन शाह ने आगे कहा, ''जिम सर्भ थिएटर से आते हैं और इसी वजह से उनकी अभिनय शैली में गहराई और गंभीरता दिखाई देती है। थिएटर का अनुभव कलाकार को अनुशासन और समझ देता है, जो कैमरे के सामने बहुत काम आता है। खासकर जब कहानी जटिल और भावनात्मक हो तो ऐसे कलाकार पूरी कहानी को जीवंत बना देते हैं।'' 'मेड इन इंडियाः ए टाइटन स्टोरी' सीरीज अमेजन एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है।

(साभार एजेंसी)

200 वें मैच में मेसी का जादुई शो

फीफा विश्व कप 2026

पहली विश्व कप हैट्रिक से अर्जेंटीना को दिलाई जीत

कैनसस सिटी। फीफा विश्व कप 2026 में लियोनल मेसी ने एक ऐसी रात को यादगार बना दिया, जिसे अर्जेंटीना के फुटबॉल फैंस शायद कभी नहीं भूलेंगे। अल्जीरिया के खिलाफ ग्रुप-जे के मुकाबले में मेसी ने अपने विश्व कप करियर की पहली हैट्रिक लगाई और अर्जेंटीना को 3-0 की शानदार जीत दिलाई। इसके साथ ही उन्होंने जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोज के विश्व कप में सर्वाधिक 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली।कैनसस सिटी के एरोहेड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना शुरू से ही हावी रहा। कप्तान मेसी ने पहले हाफ में टीम को बढ़त दिलाई और फिर दूसरे हाफ में दो और गोल दागकर मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। उनकी हैट्रिक की बदौलत मौजूदा विश्व चैंपियन ने अपने खिताब बचाने के अभियान की दमदार शुरुआत की।

हालंद और एमबाप्पे पर भारी पड़े मेसी

विश्व कप के छठे दिन एरलिंग हालंद और किलियन एमबाप्पे ने भी दो-दो गोल किए थे, लेकिन सारी सुर्खियां मेसी के नाम रहीं। हालंद ने नॉर्वे की ओर से इराक के खिलाफ दो गोल दागे, जबकि एमबा पे ने सेनेगल के खिलाफ फ्रांस की जीत में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, मेसी की हैट्रिक और रिकॉर्ड की बराबरी ने इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया। 80वें मिनट में जब मेसी को मैदान से बाहर बुलाया गया तो पूरा स्टेडियम खड़ा हो गया। यह सिर्फ एक हैट्रिक नहीं थी, बल्कि फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक के करियर का एक और सुनहरा अध्याय था।

20 साल बाद रचा इतिहास

यह उपलब्धि इसलिए भी खास रही क्योंकि मेसी ने अपना पहला विश्व कप मैच 2006 में सर्बिया और मोंटेनेग्रो के खिलाफ खेला था। ठीक 20 साल बाद उन्होंने उसी मंच पर पहली विश्व कप हैट्रिक लगाकर इतिहास रच दिया। वह विश्व कप के पांच अलग-अलग संस्करणों में गोल करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए। इस सूची में उनके साथ केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम शामिल है।

विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	देश	गोल
मिरोस्लाव क्लोज	जर्मनी	16
लियोनल मेसी	अर्जेंटीना	16*
रोनाल्डो	ब्राजील	15
किलियन एमबाप्पे	फ्रांस	14
गेर्ड मुलर	जर्मनी	14
जस्ट फोंटेन	फ्रांस	13
पेले	ब्राजील	12

क्लोज के रिकॉर्ड की बराबरी

विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले मेसी के नाम विश्व कप में 13 गोल थे। अल्जीरिया के खिलाफ तीन गोल दागकर उन्होंने अपना आंकड़ा 16 तक पहुंचा दिया।इसके साथ ही उन्होंने मिरोस्लाव क्लोजे के सर्वाधिक विश्व कप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अभी टूर्नामेंट के कई मैच बाकी हैं और ऐसे में मेसी के पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका होगा।

एमबाप्पे फ्रांस के लिए बने सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

न्यू जर्सी। कायलियन एमबाप्पे के दम पर फ्रांस ने ग्रुप आई के मुकाबले में सेनेगल को 3-1 से हराकर फीफा विश्व कप में विजयी आगाज किया। फ्रांस के लिए एमबाप्पे ने दो गोल दागे। एमबाप्पे इसके साथ ही फ्रांस की ओर से विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने। दोनों टीमें पहले हाफ तक कोई गोल नहीं कर सकीं, लेकिन दूसरे हाफ में कप्तान कायलियन एमबाप्पे ने टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद ब्रैडली बारकोला ने गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। निर्धारित 90 मिनट के बाद फ्रांस 2-0 से आगे था। हालांकि, आठ मिनट के इंजरी समय के दौरान सेनेगल के लिए इब्राहिम मबाये ने गोल दागा। लेकिन इसके चंद सेकेंड बाद ही एमबाप्पे ने एक और गोल कर फ्रांस को 3-1 से आगे कर दिया।

इंग्लैंड को लगा झटका, लिवरामेंटो चोट के कारण विश्व कप से हुए बाहर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के फुल बैक टिनो लिवरामेंटो पिंडली की चोट के कारण फुटबॉल विश्व कप से बाहर हो गए जिससे कोच थॉमस ट्यूशेल को क्रोएशिया के खिलाफ अपनी टीम के पहले मैच से ठीक पहले टीम में बदलाव करना पड़ा। चेल्सी के डिफेंडर ट्रेवो चालोबाह को उनकी जगह बुलाया गया है और वे कैनसस सिटी में इंग्लैंड के ट्रेनिंग शिविर में शामिल होने वाले हैं।

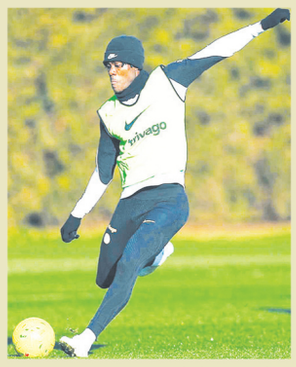

ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हुए थे लिवरामेंटो- इंग्लिश फुटबॉल संघ ने बताया कि न्यूकासल के डिफेंडर लिवरामेंटो रविवार को ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। एक बयान के अनुसार, 'सोमवार को हुए स्कैन और मेडिकल जांच से दुर्भाग्य से पुष्टि हुई कि वह (लिवरामेंटो) टूर्नामेंट में आगे इंग्लैंड की ओर से हिस्सा नहीं ले पाएंगे।' लिवरामेंटो को मुख्य रूप से उनकी बहुमुखी प्रतिभा के कारण चुना गया था क्योंकि वह राइट-बैक और लेफ्ट-बैक दोनों पोजीशन पर सहज थे। उन्हें मुख्य रूप से राइट-बैक पोजीशन पर अक्सर चोटिल होने वाले रीस जेम्स के बैकअप के तौर पर देखा जा रहा था। चालोबाह ने हाल के सत्र में चेल्सी के लिए अधिकतर सेंटर-बैक के तौर पर खेला है लेकिन उन्हें राइट-बैक के तौर पर खेलने का भी अनुभव है। इंग्लैंड गुरुवार को क्रोएशिया के खिलाफ अपने पहले ग्रुप मैच के लिए डलास जा रहा है। टीमें अपने पहले मैच की शुरुआत से 24 घंटे पहले तक चोटिल खिलाड़ियों की जगह दूसरे खिलाड़ियों को बुला सकती हैं।

खिताबी सूखे को समाप्त करने उतरेगा इंग्लैंड

डिफेंस में दोनों तरफ खेलने वाले टीनो लिवरामेंटो जांघ की चोट के कारण टूर्नामेंट में पूरी तरह मैच-फिट नहीं थे। वह फ्लोरिडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले के दूसरे हाफ में खेले थे, लेकिन कोस्टा रिका के विरुद्ध टीम के आखिरी वर्ल्ड कप वार्म-अप मैच के दौरान बेंच पर ही रहे। इंग्लैंड ने साल 1966 में अपना एकमात्र फीफा विश्व कप खिताब जीता था। यह टीम इस साल छह दशक के सूखे को समाप्त करने उतरेगी।

हमारे पास इस बार फीफा वर्ल्ड कप जीतने का सबसे अच्छा मौका: हैरी केन

आर्लिंगटन (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन का मानना है कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 में टीम के पास ट्रॉफी को अपने नाम करने का सुनहरा मौका होगा। बायर्न म्यूनिख के लिए 51 मुकाबलों में 61 गोल करने वाले शानदार सीजन के बाद स्ट्राइकर को भरोसा है कि वह अपने करियर की सबसे अच्छी फॉर्म को जारी रखने और इंग्लैंड को टूर्नामेंट में आगे तक ले जाने के लिए पहले से कहीं ज्यादा तैयार हैं। इंग्लैंड फीफा विश्व कप में अपने अभियान का आगाज क्रोएशिया के खिलाफ गुरुवार को करेगा। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए 32 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'मैं निजी तौर पर कहूंगा कि यह मानसिक और शारीरिक तौर पर मेरा अब तक का सबसे अच्छा सीजन है। मेरे लिए सीजन का अंत बहुत अच्छा रहा। शारीरिक तौर पर मैं खुद को बहुत अच्छी शेप में महसूस कर रहा हूं।' 'अपने करियर के लिए आपको बहुत सी चीजों की जरूरत होती है जो आपके हिसाब से हों और सही समय पर सही जगह पर हों और मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट के लिए ऐसा ही हुआ है। मेरे हिसाब से एक टीम के तौर पर हमारे पास फीफा वर्ल्ड कप जीतने का सबसे अच्छा मौका होगा। मुझे लगता है कि हर कोई अच्छी शुरुआत करने और यह साबित करने के लिए बेताब है कि हमारे पास इस टूर्नामेंट में आगे तक जाने की काबिलियत है।' हैरी केन इंग्लैंड के अब तक के सबसे सफल स्ट्राइकरों में से एक हैं।

वह इंग्लैंड के लिए ऑल-टाइम रिकॉर्ड गोलस्कोरर हैं और इंटरनेशनल मैचों में सबसे ज्यादा अपीयरेंस (मैच खेलने) की सूची में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। केन लंबे समय से इंग्लैंड टीम के अहम खिलाड़ी रहे हैं और कई बड़े टूर्नामेंटों में टीम की सफलता में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वह इंग्लैंड की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने 2018 फीफा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। इसके अलावा उन्होंने यूईएफए यूरो 2020 और यूईएफए यूरो 2024 के फाइनल तक पहुंचने में भी टीम का हिस्सा बनकर अहम योगदान दिया। क्रोएशिया के खिलाफ केन इंग्लैंड के लिए अपना 115वां मुकाबला खेलने उतरेंगे और वह डेविड बेकहम के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। 'बेकहम के बराबर तक पहुंचना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।

चार साल बाद ग्रैंड स्लैम खेलेंगी सेरेना विंबलडन में बहन वीनस के साथ दिखेंगी

लंदन (एजेंसी)। टेनिस जगत की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स करीब चार साल बाद किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में वापसी करने जा रही हैं। 44 वर्षीय अमेरिकी स्टार विंबलडन 2026 में अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ महिला युगल वर्ग में खेलती नजर आएंगी। टूर्नामेंट आयोजकों ने मंगलवार को महिला युगल के लिए वाइल्ड कार्ड प्राप्त जोड़ियों की घोषणा की, जिसमें विलियम्स बहनों का नाम भी शामिल है।

विंबलडन महिला युगल वाइल्ड कार्ड जोड़ियां

- केटी बोल्टर / हीदर वॉटसन (ब्रिटेन)
- मेडेलीन ब्रूक्स / अमेलिया राजेकी (ब्रिटेन)
- जोडी बरेज / मिका स्टोजसाव्लजेविक (ब्रिटेन)
- फ्रेया क्रिस्टी / ईडन सिल्वा (ब्रिटेन)
- हैरियट डार्ट / माया लुम्सडेन (ब्रिटेन)
- एलिसिया डुडने / मिमी शू (ब्रिटेन)
- सेरेना विलियम्स / वीनस विलियम्स (अमेरिका)

चार साल बाद ग्रैंड स्लैम में वापसी

सेरेना विलियम्स ने आखिरी बार किसी ग्रैंड स्लैम में यूएस ओपन 2022 के दौरान हिस्सा लिया था। उस टूर्नामेंट में उनका सफर तीसरे दौर में समाप्त हो गया था, जहां उन्हें अजला टोम्लजानोविच के खिलाफ तीन सेटों तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से उन्होंने किसी भी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया। अब विंबलडन 2026 के जरिए सेरेना एक बार फिर सबसे बड़े मंच पर वापसी करने जा रही हैं। उनकी वापसी ने टेनिस प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है।

हाल ही में की थी प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी

सेरेना ने हाल ही में क्वींस क्लब चैंपियनशिप में वापसी की थी। उन्होंने कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ युगल मुकाबले में जीत हासिल कर शानदार शुरुआत की थी। उनकी जोड़ी ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकी क्योंकि म्बोकोदौरान चोटिल हो गई थीं। इसके बावजूद सेरेना की वापसी ने यह संकेत दे दिया था कि वह एक बार फिर बड़े टूर्नामेंटों में खेलने के लिए तैयार हैं।

वीनस-सेरेना की जोड़ी पर रहेंगी नजरें

वीनस और सेरेना विलियम्स महिला टेनिस इतिहास की सबसे सफल जोड़ियों में से एक रही हैं। दोनों बहनों ने साथ मिलकर कई ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीते हैं और ओलंपिक स्वर्ण पदक भी अपने नाम किए हैं। लंबे समय बाद दोनों को एक बार फिर विंबलडन के कोर्ट पर साथ खेलते देखना प्रशंसकों के लिए खास मौका होगा।

विंबलडन में आकर्षण का केंद्र रहेंगी बहनें

विंबलडन 2026 में कई युवा सितारों के अलावा अनुभवी खिलाड़ियों पर भी नजरें रहेंगी, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा सेरेना और वीनस की जोड़ी को लेकर होने की उम्मीद है। टेनिस इतिहास की दो महान खिलाड़ियों की यह वापसी न सिर्फ प्रशंसकों के लिए यादगार होगी, बल्कि महिला युगल प्रतियोगिता की प्रतिस्पर्धा को भी और रोमांचक बना देगी।

अगर घरेलू क्रिकेट नहीं, तो सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी नहीं

पीसीबी ने पेश किया नया फॉर्मूला

लाहौर। अगर पाकिस्तानी क्रिकेटर्स घरेलू टूर्नामेंट्स में हिस्सा नहीं लेते, तो उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट नहीं दिया जाएगा। खुद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने यह चेतावनी दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पीसीबी ने सालाना पेमेंट के लिए एक नया और बड़े बदलाव वाला फॉर्मूला पेश किया है। 'टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2026 के लिए नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट मॉडल में पारंपरिक ए, बी, सी, डी कैटेगरी की जगह पांच फॉर्मेट-आधारित ट्रैक लाए गए हैं। बोर्ड का दावा है कि क्रिकेट में यह अपनी तरह का पहली संरचना है।

भारत का अफगानिस्तान के खिलाफ 403 रन विशाल स्कोर, कप्तान गिल ने 154, ईशान ने 125 रन बनाए; खरोटे को 4 विकेट मिला

गिल वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय कप्तान

लखनऊ (एजेंसी)। भारत ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 403 रन का टारगेट दिया था। बुधवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में भारत ने 49.5 ओवर में 402 पर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए कप्तान शुभमन गिल ने 110 बॉल पर 154 और ईशान किशन ने 79 बॉल पर 125 रन बनाए। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 224 रन जोड़कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।शुभमन गिल और ईशान किशन ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी की। गिल और ईशान ने तीसरे विकेट के लिए दमदार साझेदारी की और दोनों बल्लेबाजों ने इस मैच में शतक लगाए। गिल जहां संयमित होकर बल्लेबाजी करते दिखे तो ईशान ने वनडे में टी20 वाला रुख अपनाया। गिल इसके साथ ही वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय कप्तान बन गए हैं।अफगानिस्तान ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर भारत को शुरुआती झटका दिया। इसके बाद गिल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने रोहित के साथ साझेदारी निभाई। रोहित हालांकि, अर्धशतक लगाने से चूक गए।

निलाक्षिका-कौशानी की तूफानी पारी

महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका की 5 विकेट से जीत

उथेम्प्टन (एजेंसी)। श्रीलंका ने द रोज बाउल में खेले गए विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 7वें मैच में न्यूजीलैंड के विरुद्ध 5 विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ 'ग्रुप-बी' में मौजूद श्रीलंका ने जीत का खाता खोल लिया है, जबकि न्यूजीलैंड को लगातार दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 150 रन बनाए। इस टीम को महज 4 रन पर इसाबेल गेज (4) के रूप में पहला झटका लगा गया था। यहां से कप्तान अमेलिया केर ने जॉर्जिया प्लिम्मर के साथ दूसरे विकेट के लिए 46 गेंदों में 49 रन जोड़कर पारी को संभाला। प्लिम्मर 22 गेंदों में 18 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद केर ने सोफी डिवाइन के साथ तीसरे विकेट के लिए 26 गेंदों में 43 रन जुटाए। केर ने 36 गेंदों में 45 रन बनाए। उनकी इस पारी में 5 चौके शामिल रहे।

इसके बाद सोफी डिवाइन ने मोर्चा संभाला। उन्होंने 30 गेंदों में 5 बाउंड्री के साथ 45 रन जुटाए, जबकि मैडी ग्रीन 18 रन बनाकर नाबाद रहीं। विपक्षी खेमे से काशवी दिलहारी ने 2 हासिल किए, जबकि मिताली अयोध्या, सुगंधिका कुमारी, चामरी अट्टापट्टू और निमाशा मीपेज को 1-1 विकेट हाथ लगा।

इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 19.4 ओवर में मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने विश्मी गुणारत्ने (17) के साथ 5.5 ओवरों में 45 रन की साझेदारी की। अट्टापट्टू 19 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों के साथ 27 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। आलम ये रहा कि 8.3 ओवरों में 55 के स्कोर तक श्रीलंका ने अपने 4 विकेट खो दिए थे। यहां से काशवी दिलहारी ने निलाक्षिका सिल्वा के साथ 39 गेंदों में 49 रन जुटाए।

काशवी टीम के खाते में 17 रन का योगदान देकर पवेलियन लौटीं, जिसके बाद निलाक्षिका ने कौशानी नुथ्यंगना के साथ 28 गेंदों में 48 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को रोमांचक जीत दिलाई। न्यूजीलैंड की तरफ से नेंसी पटेल ने 23 रन देकर 2 विकेट निकाले, जबकि ब्री इलिंग को 1 विकेट हाथ लगा।

ईरान समझौते की कोशिशों के बीच ट्रंप और नेतन्याहू के रिश्तों में तनाव उभरा

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच लंबे समय से चले आ रहे करीबी संबंध अब परीक्षा के दौर से गुजरते दिख रहे हैं। ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए समझौते को अंतिम रूप देने की ट्रंप की कोशिशों के बीच उन्होंने नेतन्याहू की सार्वजनिक रूप से आलोचना की है। पिछले वर्ष नेतन्याहू ने ट्रंप को व्हाइट हाउस में इजराइल का सबसे बड़ा मित्र बताया था। हालांकि अब ट्रंप ने नेतन्याहू के फैसलों पर सवाल उठाते हुए तीखी टिप्पणियां की हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि मेरे बिना इजराइल नहीं होता। नेतन्याहू चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री रहे हैं और विभिन्न अवसरों पर सभी प्रशासन के साथ उनके मतभेद रहे हैं।

हालांकि किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से उनकी आलोचना उतनी खुलकर नहीं की, जितनी ट्रंप ने की है। यह तनाव ऐसे समय सामने आया है जब ट्रंप लेबनान में इजराइली हमलों को लेकर नाराजगी जता रहे हैं। उनका मानना है कि इन हमलों से वाशिंगटन और तेहरान के बीच चल रही वार्ताओं पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। अमेरिका ईरान के साथ समझौते को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जबकि देश के भीतर युद्ध को लेकर राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है और ईंधन की कीमतों में वृद्धि भी चिंता का विषय बनी हुई है। पश्चिम एशिया मामलों के विशेषज्ञ एवं विभिन्न अमेरिकी प्रशासन के सलाहकार रह चुके आरोन डेविड मिलर ने कहा कि यदि नेतन्याहू ट्रंप की किसी महत्वपूर्ण प्राथमिकता के आड़े आते हैं, विशेष रूप से युद्ध समाप्त करने के प्रयासों में, तो ट्रंप अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं। ईरान के

साथ प्रस्तावित समझौते पर शुक्रवार को जिनेवा में हस्ताक्षर होने की संभावना है। फ्रांस में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्होंने नेतन्याहू से उनकी हालिया गतिविधियों पर असंतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, अमेरिका के बिना इजराइल नहीं होता। मेरे बिना भी इजराइल नहीं होता, क्योंकि किसी अन्य राष्ट्रपति ने वह नहीं किया जो मैंने किया।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई रोकने का प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में फिर विफल

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिकी सीनेट ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई रोकने संबंधी युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव को मंगलवार को एक बार फिर आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। यह प्रस्ताव ऐसे समय लाया गया, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अधिकारों पर अंकुश लगाने के लिए सांसद लगातार प्रयास कर रहे हैं और उनका प्रशासन लगभग चार महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने की नई योजना पर विचार कर रहा है। मतदान में प्रस्ताव के पक्ष में 47 और विरोध में 48 वोट पड़े। चार रिपब्लिकन सांसदों ने अधिकांश डेमोक्रेट सदस्यों के साथ मिलकर युद्ध शक्तियों से जुड़े इस प्रस्ताव का समर्थन किया, लेकिन इसे आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक बहुमत नहीं मिल सका।

ईरान समझौते पर व्हाइट हाउस के दावों और वास्तविक स्थिति में अंतर को लेकर सवाल

वाशिंगटन, भाषा। व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों और रिपब्लिकन सांसदों को भेजे गए एक दस्तावेज में दावा किया है कि ईरान के साथ प्रस्तावित समझौते से अमेरिका ने अपने प्रमुख रणनीतिक लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। दस्तावेज में कहा गया है कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल जाएगा और क्षेत्रीय तनाव कम होगा। हालांकि समझौते का पूरा विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे इसके दावों को लेकर भ्रम और संदेह बना हुआ है। कई रिपब्लिकन नेताओं ने भी माना है कि समझौते की शर्तें गोपनीय रखे जाने से अटकलों को बढ़ावा मिला है। प्रारंभिक समझौते की शर्तें सार्वजनिक नहीं किए जाने के कारण के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने मंगलवार को फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान संवाददाताओं से कहा कि वह इसे करने से पहले औपचारिक रूपरेखा तय करना चाहेंगे। दस्तावेज में यह भी कहा गया है कि समझौते से अमेरिकी परिवारों को ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में राहत मिलेगी। साथ ही दावा किया गया है कि ईरान को अमेरिकी करदाताओं का धन नहीं मिलेगा और उसे केवल निर्धारित शर्तें पूरी करने पर ही आर्थिक लाभ दिया जाएगा।

अमेरिका-ईरान के बीच प्रस्तावित समझौते की प्रतियां हुईं लीक

दुबई, भाषा। अमेरिका से युद्ध खत्म करने के लिए होने वाले एक अस्थाई समझौते के बाद ईरान तुरंत होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए कदम उठाएगा, जिसके बदले में उसे बिना किसी प्रतिबंध के तेल बेचने की अनुमति दी जाएगी। अंतरिम समझौते की लीक हुई प्रतियों से यह जानकारी मिली है। समझौते पर शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में एक समारोह में औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए जाने हैं। इसमें कहा गया है कि अमेरिका युद्ध के बाद ईरान के पुनर्निर्माण के लिए कम से कम 300 अरब अमेरिकी डॉलर देगा और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित अंतिम समझौता होने के बाद तेहरान पर लगाए गए सभी अमेरिकी और संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों को समाप्त करने की दिशा में काम करेगा। अमेरिका की ओर से ईरान को तुरंत स्वतंत्र रूप से तेल बेचने की अनुमति देने और बाद में सभी प्रतिबंध हटाने के प्रस्ताव को उन रियायतों से भी बड़ा माना जा रहा है, जो ईरान को 2015 के परमाणु समझौते के तहत दी गई थीं।

सफलता का पैमाना सिर्फ क्षेत्रफल नहीं

समीक्षा : साल 2030 तक समुद्र के तीस फीसदी हिस्से के संरक्षण की मुहिम

» वाशिंगटन, भाषा।

पृथ्वी पर मौजूद सबसे समृद्ध जैव विविधता में से कुछ समुद्र में पाई जाती है। प्रवाल भित्तियों और मैंग्रोव के जंगलों से लेकर गहरे समुद्र तक, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र अनगिनत प्रजातियों को सहारा देते हैं, तटीय समुदायों का आधार हैं, जलवायु को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और वैश्विक खाद्य सुरक्षा की नींव को मजबूत करते हैं। लेकिन मछली पकड़ने, प्राकृतिक आवासों के नष्ट होने, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन का दबाव इन तंत्रों पर लगातार बढ़ रहा है। इसकी प्रतिक्रिया में दुनिया के देशों ने 2030 तक विश्व के कम-से-कम 30 प्रतिशत समुद्री क्षेत्र के संरक्षण का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य अपनाया है, जिसे 30ए30 के नाम से जाना जाता है।

इस लक्ष्य के तहत दुनिया भर में समुद्री संरक्षण का दायरा बढ़ा है, खासकर समुद्री संरक्षित क्षेत्रों (मरीन प्रोटेक्टेड एरिया) के रूप में। दशकों के अनुभव बताते हैं कि प्रभावी समुद्री संरक्षण के लिए स्पष्ट नियम-कानून, नियमित निगरानी, पर्याप्त वित्तीय संसाधन और स्थानीय सरकारों, उद्योगों तथा समुदायों के साथ सार्थक सहयोग जरूरी है। इनके अभाव में ए क्षेत्र केवल कागजों पर संरक्षित रह जाते हैं। नक्शे पर खींची गई सीमाओं से आगे उनका कोई वास्तविक असर नहीं होता और अत्यधिक मछली पकड़ने समेत अन्य खतरों का दबाव समुद्री जीवन पर बना रहता है। हमारे नेतृत्व में तैयार की गई दो नई रिपोर्ट आज समुद्री संरक्षण की वास्तविक स्थिति और समुद्र के 30 प्रतिशत हिस्से के संरक्षण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आवश्यक कदमों का एक महत्वपूर्ण आकलन प्रस्तुत करती हैं। इनमें एक रिपोर्ट ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी की है जबकि दूसरी स्मिथसोनियन ट्रॉपिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट की है। इन दोनों रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि 30ए30 लक्ष्य को हासिल करने में अब सबसे बड़ी बाधा संरक्षण के प्रति महत्वाकांक्षा की कमी नहीं, बल्कि उसे धरातल पर उतारने के लिए प्रभावी उपायों की कमी है।

पुतिन ने आसियान देशों के नेताओं की मेजबानी की, व्यापारिक संबंध बढ़ाने की इच्छा जताई

मॉस्को, भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बुधवार को दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के नेताओं की एक बैठक की मेजबानी कर रहे हैं, जिसका मकसद इस क्षेत्रीय समूह के सदस्यों के साथ व्यापार और अन्य संबंधों को मजबूत करना है। क्रेमलिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव के अनुसार, कजान में हो रही दो दिवसीय बैठक में आसियान देशों के साथ रूस की रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के तौर-तरीकों पर विचार किया जाएगा। आसियान में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलीपीन, सिंगापुर, थाईलैंड, पूर्वी तिमोर और वियतनाम शामिल हैं। उशाकोव ने कहा कि इस क्षेत्रीय समूह ने मॉस्को के साथ संवाद साझेदार के तौर पर संबंध बनाए रखे हैं और रूसी अधिकारियों को वार्षिक उच्चस्तरीय बैठकों में शामिल किया है। वोल्गा नदी के किनारे कजान में हो रहा यह शिखर सम्मेलन रूस-आसियान संबंधों की 35वीं वर्षगांठ का प्रतीक है। सम्मेलन के दौरान आयोजित व्यापारिक फोरम में हिस्सा लेने वालों को भेजे एक संदेश में पुतिन ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि इससे परस्पर लाभकारी व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग

को बढ़ाने के नए मौके बनेंगे तथा व्यापारिक समुदायों के बीच सीधी बातचीत भी मजबूत होगी। उशाकोव ने रूस और आसियान के बीच बातचीत को लाभकारी, बराबरी वाली और रचनात्मक बताया। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि सम्मेलन के दौरान पुतिन आसियान नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे, और इस सम्मेलन की सह-अध्यक्षता वह फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ करेंगे। वर्तमान में फिलीपीन इस संगठन का अध्यक्ष है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी हमले में जान गंवाने वाले दो भारतीय नाविकों के शव स्वदेश लाए गए

» दुबई, भाषा।

ओमान तट के पास एक पोत पर पिछले सप्ताह हुए अमेरिकी हमले में मारे गए तीन भारतीय नाविकों में से दो के शव बुधवार को स्वदेश ले जाए गए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इससे एक दिन पहले पलाऊ के ध्वज वाले इस पोत एमटी सेटेबेलो से बचाए गए 21 भारतीय नाविकों को स्वदेश लाया गया था। मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, एमटी सेटेबेलो पर हुए हमले में दुखद रूप से जान गंवाने वाले आदित्य शर्मा और शिवानंद चौरसिया के शव भारत ले जाए गए हैं। हालांकि, दूतावास ने हमले में मारे गए तीसरे भारतीय नाविक पटनाला सुरेश के शव के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। भारतीय दूतावास ने कहा, दुख की इस घड़ी में हमारी संवेदनाएं उनके परिवारों के साथ हैं।

अमेरिका ने ओमान तट के पास पिछले सप्ताह भारतीय चालक दल वाले तीन व्यापारिक पोत पर हमले किए। इनमें से एक पोत एमटी सेटेबेलो था। इस पोत पर हमले में तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि अन्य को बचा लिया गया था। इन हमलों के बाद विदेश मंत्रालय ने एक सप्ताह में दो बार अमेरिकी दूतावास के प्रभारी राजदूत जेसन मीक्स को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सात देशों के समूह (जी7) के शिखर सम्मेलन के एक विशेष सत्र को संबोधित करते हुए मंगलवार को कहा था कि सभी देशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समुद्री मार्ग सुरक्षित रहें और नाविक बिना किसी भय के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी द्विपक्षीय वार्ता से एक दिन पहले यह मुद्दा उठाया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले भारत ने यरूशलम में योग सत्र का आयोजन किया

» यरुशलम, भाषा।

भारत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम से करीब एक सप्ताह पहले इजराइली शहर यरुशलम के स्थानीय निकाय के साथ मिलकर यहां योग का विशेष सत्र आयोजित किया जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यरुशलम के पुराने इलाके में स्थित ममिला मॉल में मंगलवार को एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया और इसकी अगुवाई इजराइली योग प्रशिक्षक याएल यित्ज़ाक-इदान ने की और इस दौरान ओफ़ा अवनी ने बांसुरी वादन की प्रस्तुति देकर लोगों को मुग्ध कर दिया। इजराइल में, 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन 21 जून को तेल अवीव-याफो बंदरगाह पर भूमध्य सागर की पृष्ठभूमि में किया जाएगा।

यरुशलम में मंगलवार को योग का विशेष सत्र यरुशलम नगर निगम, इजराइल में भारतीय दूतावास और इजराइल के योग शिक्षक संघ की साझेदारी में आयोजित किया गया। इस आयोजन में राजनयिकों, विशेष आमंत्रित मेहमानों, योग करने वालों और आम लोगों ने स्वस्थ आयु के लिए योग थीम के तहत एक साथ योग किया। इजराइल में भारत के राजदूत जे.पी. सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग समय के अनुकूल और प्रासंगिक है। यह हमें याद दिलाती है कि गरिमापूर्ण और स्वस्थ वृद्धावस्था को बढ़ावा देने में योग कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्रीलंका के भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने पूर्व राष्ट्रपति के बेटे को गिरफ्तार किया

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे योशिता राजपक्षे को देश के भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने बुधवार को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया। योशिता इस मामले में रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए आयोग (सीआईएबीओसी) के समक्ष पेश हुए। राजपक्षे की तीन संतानों में से दूसरे नंबर के पुत्र योशिता को आयोग ने जांचकर्ताओं के समक्ष पेश होने के लिए समन जारी किया था।

सीआईएबीओसी ने श्रीलंका नौसेना के पूर्व अधिकारी योशिता की गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी देते हुए कहा कि यह मामला उनकी भर्ती और प्रशिक्षण प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। सीआईएबीओसी ने एक बयान में कहा कि योशिता ने एक नौसैनिक कैडेट के रूप में सेवा शुरू की थी, लेकिन कथित तौर पर अहर्ताएं पूरी किए बिना ही उन्हें 2006 में श्रीलंका नौसेना की कार्यकारी शाखा में एक अधिकारी के रूप में नियुक्त कर लिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव को लेकर चिंता जताई, सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

» एवियॉन (फ्रांस), भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कनेक्टिविटी और व्यापार में सहयोग बढ़ाने के लिए जी-7 , भारत और ग्लोबल साउथ देशों की क्षमताओं का इस्तेमाल करके एक वैश्विक व्यवस्था बनाने का बुधवार को सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने विकासशील देशों पर पश्चिम एशिया संकट के दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर चिंता भी जताई। उन्होंने फ्रांस के एवियॉन शहर में जी-7 शिखर सम्मेलन के एक सत्र के दौरान इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सलरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड (इम्पैक्ट) नामक नई व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव रखा। मोदी ने जोर देकर कहा कि आधुनिक आर्थिक विकास को केवल व्यापार की मात्रा या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों से नहीं मापा जा सकता। उन्होंने कहा कि असली महत्व इस बात का है कि विकास किस दिशा में हो रहा है और उसका लाभ आखिर किसे मिल रहा है। मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया के संकट का ईंधन, उर्वरक और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पड़ने वाला प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर लंबे समय तक असर डालेगा। उन्होंने कहा कि सबसे कमजोर देशों पर भू-राजनीतिक संकटों का बोझ नहीं पड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा, यदि हम वास्तव में अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करना चाहते हैं, तो इन संकटों का बोझ केवल सबसे कमजोर देशों पर नहीं पड़ना चाहिए। मोदी ने कहा, हमारी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं को ऐसी सहायता व्यवस्थाएं बनानी चाहिए, जो विकासशील देशों को इन झटकों का सामना करने और उनकी आर्थिक मजबूती बनाए रखने में मदद करें। मोदी ने कहा कि इस नई व्यवस्था को महत्वाकांक्षी भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक

गलियारे (आईएमईसी) की तर्ज पर बनाया जा सकता है। उन्होंने सवाल किया, आईएमईसी की तरह, क्या हम अफ्रीका, लातिन अमेरिका और प्रशांत द्वीप के देशों के साथ कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर काम कर सकते हैं? प्रधानमंत्री ने कहा, जी-7 की पूंजी, भारत की प्रतिभा और ग्लोबल साउथ देशों की भागीदारी के जरिए हम कनेक्टिविटी और व्यापार को तेज करने के लिए इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सलरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड (इम्पैक्ट) की स्थापना पर भी विचार कर सकते हैं। उन्होंने कहा, इसका उद्देश्य ऐसे गलियारे बनाना होना चाहिए, जो व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और अवसरों को आपस में जोड़ें। आईएमईसी पहल को वर्ष 2023 में दिल्ली में हुए जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान अंतिम रूप दिया गया था। इसे एक महत्वपूर्ण पहल माना जाता है, जिसमें सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच बड़े सड़क, रेल व समुद्री नेटवर्क बनाने की योजना है, ताकि एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम के बीच एकीकरण सुनिश्चित किया जा सके। पश्चिम एशिया में संकट के कारण यह परियोजना अभी शुरू नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा, अच्छी बात है कि जी-7 के अध्यक्ष फ्रांस ने इस विषय को महत्व दिया है। आज की सच्चाई यह है कि जब विकास की बात होती है, तो सवाल सिर्फ सकल घरेलू उत्पाद या व्यापार के आंकड़ों का नहीं होना चाहिए। असली सवाल यह है कि विकास किसके लिए, किसके साथ और किस दिशा में है? मोदी ने कहा कि भारत का अनुभव दिखाता है कि साझा विकास को केवल एक सपना नहीं, बल्कि हकीकत बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, जब भारत आगे बढ़ता है, तो आबादी का छठा हिस्सा आगे बढ़ता है। इसलिए भारत की विकास यात्रा सभी के लिए समावेश, बड़े स्तर पर विकास और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण की कहानी है। उन्होंने कहा, पिछले 12 वर्षों में भारत सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र पर आगे बढ़ा है। यही सिद्धांत दुनिया के साथ हमारे संबंधों का भी मार्गदर्शन करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आईएमईसी से व्यापार को तेजी मिलेगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं मजबूत होंगी और निवेश, रोजगार तथा नवाचार के नए अवसर पैदा होंगे। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने ग्लोबल साउथ देशों की ताकतों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, आज कई समाज वृद्ध होते जा रहे हैं, जबकि भारत और ग्लोबल साउथ के अन्य देशों के पास युवा प्रतिभा, उद्यमिता और कौशल की भरमार है। प्रधानमंत्री ने कहा, इस प्राकृतिक मेल-जोल का फायदा उठाने के लिए एक वैश्विक कौशल साझेदारी बनाई जानी चाहिए। इसमें सभी देश मिलकर लोगों के कौशल की पहचान करेंगे और भरोसेमंद कुशल कामगारों के एक देश से दूसरे देश में जाने को बढ़ावा देंगे। मोदी ने कहा कि भारत साझा वैश्विक समृद्धि में विश्वास करता है और यह केवल कथनों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके कार्यों में भी दिखाई देता है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस बैठक में मौजूद अधिकांश देशों के साथ व्यापार समझौते किए हैं। इससे साबित होता है कि भारत बंटवारे नहीं, बल्कि एकीकरण में संरक्षणवाद नहीं, बल्कि साझेदारी में और अनिश्चितता नहीं, बल्कि साझा समृद्धि में विश्वास करता है।

नेपाल सरकार भारत, चीन के साथ मजबूत संबंध चाहती है: खनाल

बीजिंग, भाषा। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बुधवार को बीजिंग की अपनी चार दिन की यात्रा का समापन करते हुए कहा कि नेपाल सरकार भारत और चीन के साथ मजबूत संबंध बनाना चाहती है यात्रा के दौरान, खनाल ने अपने चीनी समकक्ष वांग ई और वरिष्ठ नेताओंचीनी पीपल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस(सीपीपीसीसी) की राष्ट्रीय समिति के अध्यक्ष वांग हुनिंग और चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय विभाग के मंत्री लियू हैक्सिंग के साथ व्यापक और गहन बातचीत की। खनाल की बीजिंग यात्रा उनकी भारत यात्रा के तुरंत बाद हुई जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार भारत के साथ संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या नई दिल्ली और बीजिंग की यात्राओं का मकसद नेपाल के दो बड़े पड़ोसियों के बीच संतुलन बनाना है, तो खनाल ने कहा कि भारत और चीन, दोनों ही देश के लिए अहम साझेदार हैं। मार्च में हुए आम चुनाव में भारी जीत के बाद, बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सत्ता में आई। खनाल ने यहां सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स से कहा, मेरी यात्रा यह दिखाने के लिए थी कि हम दोनों देशों को कितना महत्व देते हैं। हम अपने मौजूदा रिश्तों को और आगे बढ़ाना चाहते हैं और उन्हें पहले के मुकाबले और मज़बूत, बेहतर और प्रगाढ़ करना चाहते हैं। वांग के साथ बातचीत के बाद, खनाल ने कहा कि उन्होंने अपने चीनी समकक्ष के साथ कनेक्टिविटी, सीमा प्रबंधन, व्यापार, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और बहुपक्षीय सहयोग समेत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर व्यापक चर्चा की।

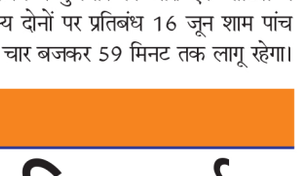

पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए हवाई क्षेत्र में लगाए गए प्रतिबंध को एक महीने के लिए बढ़ाया

लाहौर, भाषा। पाकिस्तान ने भारतीय-पंजीकृत विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र में लगाए गए प्रतिबंध को एक और महीने के लिए बढ़ाकर 24 जुलाई तक कर दिया। ये प्रतिबंध पहली बार अप्रैल 2025 में लगाए गए थे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल, 2025 को आतंकवादी हमले के बाद उत्पन्न तनाव के कारण पाकिस्तान ने भारतीय विमानन कंपनियों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। भारत ने आतंकी हमले के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया था। भारत ने भी पाकिस्तानी विमानों के अपने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल पर इसी तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण ने बुधवार को जारी एक नोटिस में कहा, भारतीय विमानों-असैन्य और सैन्य दोनों पर प्रतिबंध 16 जून शाम पांच बजकर 50 मिनट से 24 जुलाई सुबह चार बजकर 59 मिनट तक लागू रहेगा।

विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने मानचित्र के मुद्दे पर भाजपा नीत केंद्र सरकार की आलोचना की

अमेरिका ने हिंद-प्रशांत कमान का नाम बदला, भारत का गलत मानचित्र दर्शाया

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका ने अपने आठ साल पुराने फैसले को पलटते हुए अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान का नाम बदलकर फिर से अमेरिकी प्रशांत कमान (यूएसपीएकॉम) कर दिया है।अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि अमेरिकी प्रशांत कमान नाम 1947 में तत्कालीन राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन द्वारा स्थापित कमान की ऐतिहासिक जड़ों का सम्मान करता है। इसके अलावा, प्रशांत कमान की वेबसाइट पर मौजूद जिम्मेदारी वाले इलाके के मानचित्र ने देश में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं पैदा कर दी हैं। इसमें भारत की सीमाओं को सही रूप में नहीं दिखाया गया है। मानचित्र में, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन को भारत का हिस्सा नहीं दिखाया गया है।

वेबसाइट के जिस हिस्से में गलत मानचित्र है, वहां यह जानकारी दी गई है कि संबंधित वेब पेज को आखिरी बार मार्च में अद्यतन किया गया था। नई दिल्ली का कहना है कि 1947 में भारत में जम्मू कश्मीर के पूर्ण, कानूनी और अपरिवर्तनीय विलय होने के कारण जम्मू कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा हैं। विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने मानचित्र के मुद्दे पर भाजपा नीत केंद्र सरकार की आलोचना की है। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मोदी के मित्रों की यह अजीब आदत रही है कि वे भारत, भारत के हितों और भारत के मित्रों के खिलाफ काम करते हैं। ताजा उदाहरण यह है कि अमेरिकी पैसिफिक कमान ने भारत के गलत मानचित्र का इस्तेमाल किया है, जिसमें जम्मू कश्मीर को भारत से अलग दिखाया गया है और पीओके को पाकिस्तान का हिस्सा बताया गया है। उन्होंने कहा, ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब एक प्रधानमंत्री ने देश को ऐसी शोषणकारी मित्रता के हवाले कर दिया हो तो फिर उस देश को दुश्मनों की क्या जरूरत है? अमेरिकी प्रशांत कमान का कार्यक्षेत्र अमेरिका के पश्चिमी तट से लेकर भारत की

पश्चिमी सीमा तक फैला है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, (तत्कालीन) राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन द्वारा मूल रूप से एक जनवरी 1947 को स्थापित इस कमान ने 70 वर्ष से अधिक समय तक यूएसपीएकॉम के नाम से काम किया और यह अमेरिका की एकीकृत लड़ाकू कमान में सबसे पुरानी एवं सबसे बड़ी कमान है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2018 में अमेरिकी प्रशांत कमान का नाम बदलकर अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान कर दिया गया था। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिकी प्रशांत कमान...वापस आ गया है। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने कहा, यूएसपीएकॉम के पुराने नाम को बहाल करना कमान की गहरी ऐतिहासिक जड़ों का सम्मान करना है और प्रशांत क्षेत्र में सेवा देने वाले सभी लोगों में गर्व एवं सामूहिक भावना को बढ़ावा देता है। उसने कहा, यूएसपीएकॉम नाम द्वितीय विश्व युद्ध के बाद क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे की स्थापना में अहम भूमिका निभाने से लेकर कोरियाई युद्ध, वियतनाम युद्ध और कई मानवीय अभियानों के दौरान संयुक्त बलों के साथ समन्वय करने तक- इसकी दशकों की सैन्य विरासत और क्षेत्रीय साझेदारियों को दर्शाता है। बयान में कहा गया कि यूएसपीएकॉम अमेरिका के पश्चिमी तट के पास के जलक्षेत्र से लेकर भारत की पश्चिमी सीमा तक सेवाएं देता है। मंत्रालय ने कहा कि कमान का मूल मिशन और क्षेत्रीय सहयोगियों एवं साझेदारों के साथ मिलकर मुक्त एवं खुले क्षेत्र को बनाए रखने की उसकी प्रतिबद्धता में कोई बदलाव नहीं आया है। अमेरिका के तत्कालीन रक्षा मंत्री जेम्स मैटिस ने 2018 में कहा था कि हिंद और प्रशांत महासागरों के बीच बढ़ते संपर्क को मान्यता देने के लिए इसका नाम बदलकर हिंद-प्रशांत कमान किया गया। मैटिस ने 2018 में कहा था कि यह कमान बॉलीवुड से हॉलीवुड तक और पेंगुइन से पोलर बियर (ध्रुवीय भालुओं) तक फैली हुई है और अमेरिका की राष्ट्रीय रक्षा रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com